माली सैनी सन्देश

सच्चा सफर समाप्त नहीं होता ....

वर्ष : 8 अंक : 85 12 जुलाई, 2012 मूल्य : 150/- वार्षिक

टैर : आरती गुरू लिखमों जी री कीजे ।।2।।
तनमन अरप चरण, चित्त दिजे ।।2।।
आरती गुरू लिखमों जी री कीजे,
आरती गुरू लिखमों जी री कीजे ।।
गुरू लिखमों जी भगत अवतारी ।।2।।
प्रभु चरणो री भगती धारी ।।2।।
टैर : आरती गुरू लिखमों जी री कीजे,
आरती गुरू लिखमों जी री कीज ।।
नित प्रति कथा कीर्तन जावे ।।2।।
लिखमों जी रो प्रभु रूप बणावे ।।2।।
टैर : आरती गुरू लिखमों जी री कीजे,
आरती गुरू लिखमों जी री कीजे ।।
भक्ति री खेती आप निवजाई।।2।।
दुनिया दरश करण ने आई ।।2।।
टैर : आरती गुरू लिखमों जी री कीजे,
आरती गुरू लिखमों जी री कीजे ।।
माली कुल री कीर्ति बढाई।।2।।
भक्त रूप में पदमी पाई।।2।।
टैर : आरती गुरू लिखमों जी री कीजे,
आरती गुरू लिखमों जी री कीजे ।।
अमरपुरा रा भक्त अनुरागी।।2।।
संत लिखमों जी है बढ़भागी।।2।।
टैर : आरती गुरू लिखमों जी री कीजे,
आरती गुरू लिखमों जी री कीजे ।।
भक्तों री आरती जो कोई गावे।।2।।
माली छंवर कहे संत जन तारे।।2।।
टैर : आरती गुरू लिखमों जी री कीजे,
आरती गुरू लिखमों जी री कीजे ।।
टैर :- आरती गरू लिखमों जी री कीजे।।2।।
तनमन अरप चरण, चित्त दिजे।।2।।
आरती गुरू लिखमों जी री कीजे,
आरती गुरू लिखमों जी री कीजे ।।

गुरू पूर्णिमा के पावन पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

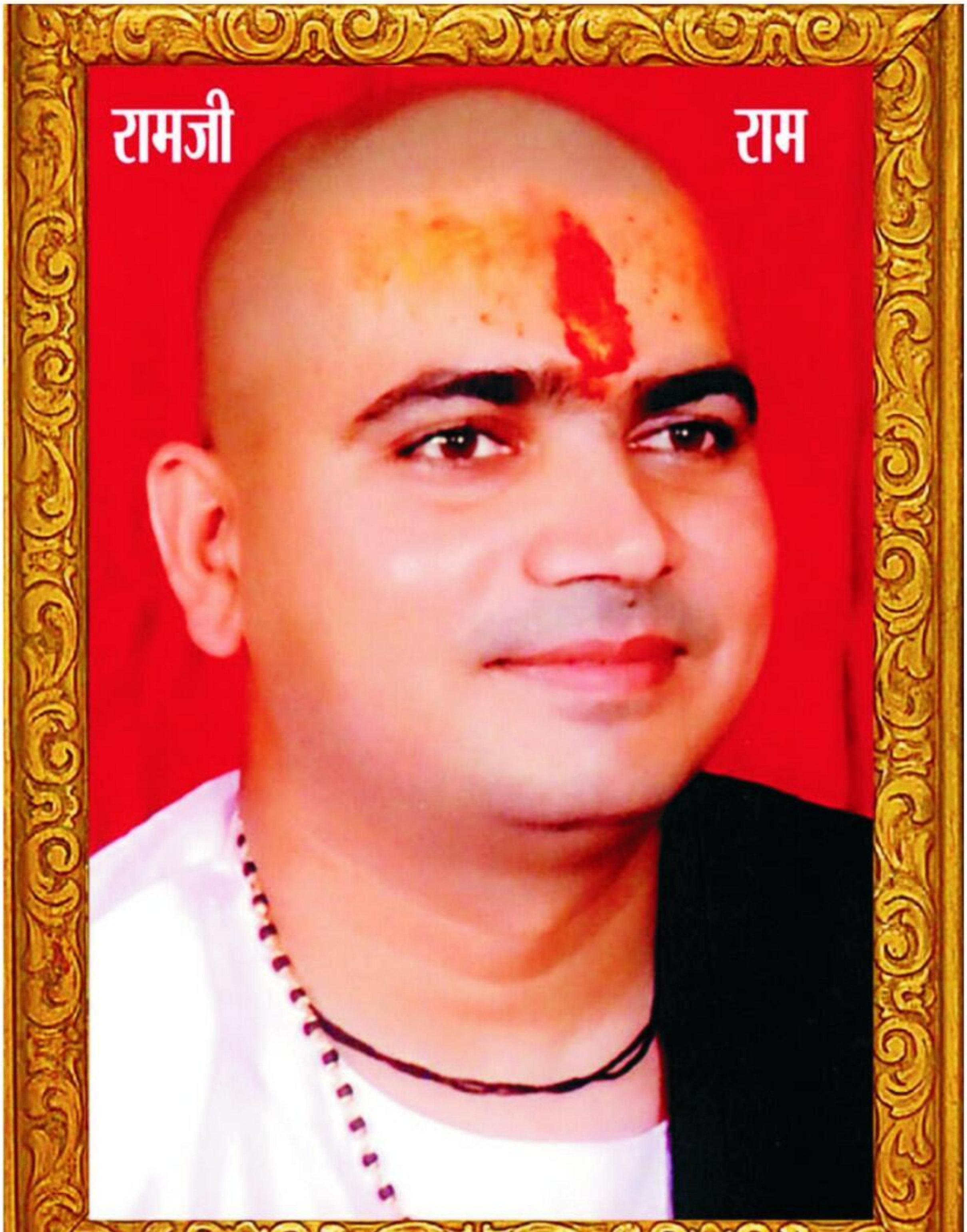

रामस्नेही संत श्री रामप्रसाद जी महाराज के चरणों में
गुरु पुर्णिमा के शुभ अवसर पर शतः शतः प्रणाम ।

NO.RAJHIN12897/20/1/2004-TC

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 8 • अंक : 85 • 12, जुलाई 2012 • मूल्य : 150/- वार्षिक

सम्पादक मण्डल

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, जोधपुर ठेकेदार ऐसोसियेशन)
(अध्यक्ष, माली सैनी समाज सेवा समिति)

सह संरक्षक:

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(पूर्व पार्षद)

प्रेस फोटोग्राफर
जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज
रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर
इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

इस अंक में

आवरण कथा

देश भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

मुख्यमंत्री ने सुनी जन समस्याएं

मुख्यमंत्री ने किया 1762 लाख के संवर्धन पेयजल सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास

- मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने जोधपुर में किया अंडरब्रिज निर्माण कार्य का शिलान्यास
- बहुद्देशीय स्टेडियम आने वाली पीढ़ी के लिए वरदान -अशोक गहलोत
- मुख्यमंत्री ने जोधपुर में किया पशुगृह गौशाला व पशु चिकित्सालय का शुभारम्भ
- जोधपुर में महाराजा हनवन्तसिंह मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज व स्टेडियम का उद्घाटन
- संत शिरोमणी श्री लिखमीदास जी महाराज
- लिखमीदासजी महाराज की शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु
- कांटो में गुलाब देखने की दृष्टि : रामस्नेही संत श्री रामप्रसाद महाराज
- जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा आनन्दसिंह सांखला का सम्मान
- समाज के युवा अमित सैनी बने आई. ए. एस.
- सुमन माली ने स्व. माता-पिता का नाम रोशन किया
- निरंतर प्रयास से मिलती है सफलता
- लोकेश गहलोत की स्मृति में 151 ने किया रक्तदान
- माली संस्थान द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता में भेदभाव क्यों ...
- विवाह योग्य समाज के युवक-युवतियों का
- दूसरा परिचय सम्मलेन 2 अक्टूबर को नई दिल्ली में
- शिक्षा से ही होगा, समाज का विकास
- अमृतफल आंवला

सम्पादक की कलम से ...

राजस्थान की सास्कृतिक राजधानी सूर्यनगरी जोधपुर से प्रकाशित माली सैनी संदेश ने माली सैनी समाज की सेवा के 7वर्ष पूरे कर लिए हैं।

समाज बंधुओं, मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि आपके अपने लाड़ले समाचार पत्रिका माली सैनी संदेश ने इस अंक से अपनी उम्र के 7वर्ष पूरे कर 8वें वर्ष में प्रवेश कर लिया हैं। माली सैनी संदेश अपने जन्म से ही आपकी अपनी समाचार पत्रिका रही है तथा आप सभी के सहयोग से ही आज यह समाचार पत्रिका स्वजातीय बंधुओं की आंख का तारा बनी हुई है। आंख का काजन बन कर अत्यन्त लोकप्रिय हुई है।

यह कटु सत्य है कि किसी भी सामाजिक सामाचार पत्रिका की उम्र उसके पाठकों, सहयोगियों व लेखकों के, विज्ञापानदाताओं के व्यवहार, जिज्ञासा एवं अपनत्व पर निर्भर करती हैं। समाज बंधु जागरूक पाठक समय-समय पर तर्क - वितर्क, प्रतिक्रिया व सुझावों के जरिए सम्पादक मण्डल का मार्गदर्शन करते रहे है। समाज बंधु विज्ञापनदाता समय-समय पर विज्ञापन रूपी आहुति देकर इस समाचार पत्रिका की रीड की हड्डी को मजबूती प्रदान करते रहे हैं आर्थिक ईधन देते रहे हैं तो ऐसी स्थिति में समाचार पत्रिका की उम्र के प्रति आंशाकित रहने की जरूरत नहीं रह जाती है।

माली सैनी संदेश पत्रिका ने अपने 7 वर्ष के सफर में देश क हर कोने में अपनी पकड़ मजबूत की है। आज हजारों पाठकों का संसार माली सैनी संदेश पत्रिका के पास मौजूद है। यह सब आप समाज बंधुओं द्वारा इस पत्रिका को समय-समय पर दिए गए सहयोग के बलबूते पर ही फलीभूत हो सका है।

आज पत्रिका राजस्थान राज्य के साथ, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रेदश, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश, बंगाल, हरियाणा, दिल्ली, कर्नाटक, बिहार इत्यादि राज्यों में रह रहे समाज बंधुओं द्वारा बड़े चाव के साथ पढ़ा जा रहा है। यहीं नहीं पत्रिका की लोकप्रियता विदेशों में जापान, इटली, अमेरिका, कैन्या, आस्ट्रेलिया, हालेण्ड, यूरोप, नेपाल, अफ्रिका इत्यादि देशों में भी वेब-साईट के माध्यम से अत्यन्त लोकप्रिय है।विदेशों में रह रहे समाजबंधुओं को समाज की हर प्रकार की जानकारी मिलने पर अनेकों ई-मेल, फोन हमें आते है तथा समाज की राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति पर चर्चा भी होती है।

यानि जो पौधा हमने वर्ष 2005 में माली सैनी समाज के हितार्थ एवं विचारों व समाचारों के आदान - प्रदान करने के लिए रोपा था, यह पौधा समाज बंधुओं के सहयोग से अब वट वर्ष का रूप धारण करने लगा हैं। चुंकि माली सैनी संदेश पत्रिका किसी व्यवसाय का नाम न होकर एक मिशन है इस लिए सम्पादक मण्डल ने इस पत्रिका का स्वरूप सामाजिक स्तर का ही बनाए रखा। इसमें ज्यादा से ज्यादा सामाजिक गतिविधियों के समाचारों को ही वरीयता देने का प्रयास किया गया ताकि माली सैनी समाज में आपसी सद्भाव, सद्विचार एवं विकास का नया वातावरण्ए तैयार हो सके।

आज किसी भी समाज में सामाजिक क्रांति लाने के लिए तीव्र गति से बड़े पैमाने में विचारों के आदान-प्रदान और उन्हें अमल में लाने की जरूरत होती है। ऐसे में पत्रिका की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण समझी जाती हैं। समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन, शिक्षा का अलख और विकास, विश्वास व जागृति के कार्यो में सहयोगी, समाज संगठनों में जागृति व सामाजिक संस्थाओं की कार्यशैली को पत्रिका ने अपने अंकों में उचित स्थान दिया है। इस मामले में माली सैनी संदेश पत्रिका की भूमिका कैसी है यह किसी से छुपी नहीं है। अपनी भूमिका, सामाजिक कर्तव्य एवं पाठकों की रूचि के प्रति सदैव सजग व जागरूक रहा हैं।

किसी पत्रिका का प्रकाशन कार्य जारी रखना हर किसी सामाचार पत्रिका के सम्पादक मण्डल के वश में नहीं होता मगर माली सैनी संदेश पत्रिका के प्रति कार्यकर्ताओं, लेखकों, संवाददाताओं, विज्ञापनदाताओं का अटूट स्नेह, विश्वास और सानिध्य बरकरार है। परिणाम स्वरूप पाठकों को प्रति माह पत्रिका का रसवादन करने का अवसर प्राप्त होता रहा है और भविष्य में भी होता रहेगा।

मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि इस वर्ष पूर्णता एवं सफलता में आप सभी समाज बंधुओं का सहयोग पूर्व वर्षो की भांति बना रहेगा। माली सैनी संदेश की सफलता एवं इसे आगे बढ़ाने में परोक्ष - अपरोक्ष रूप से सहयोगी रहे सभी का हार्दिक आभार।

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

7 वर्ष पूर्ण कर 8वें वर्ष में पत्रिका का कदम .....

मनीष गहलोत
प्रधान सम्पादक

मुख्यमंत्री ने सुनी जन समस्याएं

222 गरीब एवं असहाय व्यक्तियों को नकद आर्थिक सहायता

जोधपुर, 2 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने सोमवार को जोधपुर सर्किट हाऊस में आए लोगों की समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने धैर्य पूर्वक प्रत्येक नागरिकों की बात सुनी और समस्याओं से जुड़े प्रार्थना पत्रा एवं ज्ञापन प्राप्त किए। जन सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने गरीब, असहाय, वृ), विकलांग 193 लोगों को 200-200 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की।

इससे पूर्व रविवार को भी मुख्यमंत्री ने 29 ऐसे व्यक्तियों को 500-500 रुपए की नकद आर्थिक सहायता प्रदान की। जन सुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये लोगों ने अपने ज्ञापन एवं प्रार्थना पत्रा प्रस्तुत किये। विभिन्न संगठनों, संघ एवं समितियों के लोगों ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखी। ऑल राजस्थान प्रशिक्षित बेरोजगार शारीरिक शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री से मिलकर पी टी आई भर्ती 2011-12 में पद बढाने से संबंधित ज्ञापन दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की बजट घोषणा में शारीरिक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया लंबे अर्से के बाद शुरू की गई है। उन्होंने इस भर्ती में पदों की संख्या बढाने का अनुरोध भी किया। जन सुनवाई में घूंमतु जाति प्रकोष्ठ के सदस्य भी शामिल थे। उन्होंने अपने ज्ञापन के माध्यम से विमुक्त एवं घूमंतु जाति के आयोग का गठन कर योजनाबद्वमार्ग प्रशस्त करने, इन जातियों को मतदाता सूचियों में जोडने, राशनकार्ड, मूल निवास, प्रमाण पत्रा उपलब्ध करवाने के साथ नि:शुल्क आवास, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जांच की सुविधा मुहैय्या करवाने की मांग की। इसी प्रकार सर्किट हाउस कर्मचारी संघ, महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं कर्मचारी तथा विभिन्न संघों के प्रतिनिधि मण्डलों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखी।

संत लिखमीदास जी महाराज के जीवन से प्रेरणा ले- श्री राजेन्द्र गहलोत

जोधपुर। संत श्री लिखमीदास जी महाराज के जयंति के अवसर पर जोधपुर मगरा स्थित बालिका छात्रावास में संक्षिप्त कार्यक्रम में पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत एवं भाजपा शहर जिलाध्यक्ष श्री नरेन्द्र कच्छवाहा के आतिथ्य में मनाई गई।

श्री राजेन्द्र गहलोत ने इस अवसर पर संतश्री के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि संतश्री ने अपने जीवन में जनकल्याण के जो कार्य किये वे मानवसेवा के लिए किये, उन्होंने सभी धर्मो के अनुनायियों के लिए कार्य किये अपने पूरे जीवन में कई चमत्कार किये।

इस अवसर पर श्री नरेन्द्र कच्छवाहा ने संत के जीवन से संबधित बातें बताई एवं सबको उनके जीवन से प्रेरणा लेने एवं समाज के कल्याण हेतु कार्य करने की बात कही।

इस अवसर पर समाजसेवियों एवं क्षेत्र के सभी भक्तों ने संतश्री की मूर्ति पर माल्यार्पण कर आशिर्वाद लिया। कार्यक्रम में समाज के सर्वश्री राज गहलोत, इंद्रसिंह गहलोत, सुभाष गहलोत, जगदीश देवड़ा, जयंत सांखला, रूपवती देवड़ा एवं बालिका छात्रावास के प्रभारी तथा बालिकाओं ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने किया 1762 लाख के संवर्धन पेयजल सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास

जोधपुर, 1 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने रविवार को 1762 लाख रुपये की लागत से जोधपुर में माता का थान, गुलाब नगर व 8 मील क्षेत्र के पेयजल सुदृढ़ीकरण कार्य का बासनी तम्बोलिया में शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि जोधपुर में जनहित के अनेक कार्य करवाये जा रहे हैं। जनहित की इन योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचे तभी इसका लाभ सबको मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर में नागौर रोड पर अनेक उच्च शिक्षण संस्थानों की स्थापना की गई। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय व आयुर्वेद विश्वविद्यालय स्थापित किए गए। निफ्ट, लेदर संस्थान व आईआईटी जोधपुर में खोले गए तथा उनके भवन निर्माण का कार्य भी शुरू कराए गए हैं। बड़ी-बड़ी सौगात जोधपुर को मिली हैं। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी नहर जीवनदायिनी साबित हुई है। चार सौ गांव इससे जुड़े हैं। भीलवाड़ा के लिए चम्बल का पानी लाया जा रहा है। पाली में पानी की समस्या समाधान के लिए जोधपुर से नहर से जोड़ा गया है तथा रोहिट को भी पानी पहुंचाया है। नागौर में कैनाल का पानी पहुंचाया है और द्वितीय चरण की योजना भी बना रहे हैं। बाड़मेर के लिए ट्रायल चल रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2009-10 में 20 हजार समस्याग्रस्त गांवों में टैंकरो से पानी पहुंचाया गया। अभी साढ़े तीन हजार गांवों में टैंकर से पानी पहुंचाया जा रहा है। श्री अशोक गहलोत ने कहा कि जोधपुर में पिछले वर्षों में काफी विकास कार्य हुए। रेल व हवाई सेवाओं का विस्तार हुआ है। जोधपुर देश से रेल सेवाओं से जुड़ा है। पानी, बिजली, शिक्षा, सड़कों के क्षेत्रा में बड़ी योजनाओं पर कार्य हुए हैं। जोधपुर शहर व देहात में अनेक कार्य करवाए गए हैं। समारोह के दौरान ऊर्जा मंत्री डॉ. जितेन्द्रसिंह ने प्रदेश में पेयजल व ऊर्जा के क्षेत्रा में करवाये जा रहे कार्यों व योजनाओं की जानकारी दी। समारोह को जेडीए चेयरमैन श्री राजेन्द्रसिंह सोलंकी ने भी संबोधित किया। विशिष्ट अतिथि सांसद श्रीमती चन्द्रेश कुमारी व विधायक श्री ओम जोशी थे।

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने जोधपुर में किया अंडरब्रिज निर्माण कार्य का शिलान्यास

जोधपुर 2 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने सोमवार को जोधपुर में पावटा 'बी' रोड स्थित रेल्वे क्रॉसिंग संख्या सी-2 पर अंडरब्रिज निर्माण कार्य परियोजना का शिलान्यास किया। श्री अशोक गहलोत ने निर्माण कार्य स्थल पर विधिवत पूजन एवं मंत्रोच्चारण के साथ आधारशिला रखी। उन्होंने बताया कि यातायात का अत्यधिक दबाव रहने एवं एक दिन में लगभग 44 बार रेल्वे फाटक बंद होने से आमजन को असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसलिए राज्य सरकार ने पावटा बी रोड के रेल समपार फाटक सी-2 पर एक नए अंडरब्रिज की स्वीकृति प्रदान की। इसके निर्माण कार्य पर अनुमानित लागत 15 करोड (भूमि अर्जन के अलावा) की आएगी। श्री अशोक गहलोत ने कहा कि इस अंडरब्रिज निर्माण के बाद आवागमन की समस्या से निजात मिलेगी। जे डी ए चेयरमेन श्री राजेन्द्र सोलंकी ने बताया कि इसमें राज्य सरकार द्वारा 12 करोड़ रुपए व रेल्वे की 3 करोड़ की राशि की सहभागिता है। इस कार्य को जोधपुर विकास प्राधिकरण के मार्गदर्शन में किया जाएगा। इस ब्रिज के आरेख चित्रा को रेल्वे द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। समारोह में ऊर्जा मंत्री डॉ. जितेन्द्रसिंह, नगरीय विकास मंत्री श्री शांति धारीवाल, बीसूका उपाध्यक्ष श्री जुगल काबरा सहित अनेक

जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। जोधपुर विकास प्राधिकरण तथा रेल्वे की निर्माण एजेंसी इरकान द्वारा आयोजित शिलान्यास के इस कार्यक्रम में आने पर मुख्यमंत्री का माल्यार्पण एवं क्षेत्रावासियों ने साफा पहनाकर उनका अभिनंदन किया।

जोधपुर में बहुद्देशीय इंडोर स्टेडियम का शिलान्यास

बहुद्देशीय स्टेडियम आने वाली पीढ़ी के लिए वरदान –अशोक गहलोत

जोधपुर 1 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि बहुद्देशीय स्टेडियम आने वाली पीढ़ी के लिए वरदान साबित होंगे। इससे खेलों की उच्चकोटि की गतिविधियां एक ही छत के नीचे उपलब्ध हो सकेंगी। अत्याधुनिक तरीके से इनका निर्माण करवाया जा रहा है। खेलों के महत्व के मद्देनजर इनसे बेहतरीन लाभ होगा।

मुख्यमंत्री रविवार को जोधपुर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चैनपुरा क्षेत्र में बहुद्देशीय इंडोर स्टेडियम के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 5 लाख रुपए, दूसरे स्थान पर 3 लाख व तीसरे स्थान पर 2 लाख रूपए प्रोत्साहन स्वरूप दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 25 हजार की जगह 2 लाख 50 हजार रुपए, दूसरे स्थान पर 10 हजार की जगह 1 लाख रुपए व तीसरे स्थान पर 5 हजार के स्थान पर 50 हजार रुपए देने की घोषणा की गई है। राज्य स्तर पर पहला स्थान प्राप्त करने पर 10 हजार की जगह 1 लाख, दूसरे स्थान पर 5 हजार की जगह 50 हजार तथा तीसरे स्थान पर 2 हजार की जगह 20 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

श्री अशोक गहलोत ने कहा कि भारत सरकार व राज्य सरकार गांव-गांव में खेल सुविधाओं के विस्तार के सतत् प्रयास कर रही है। खिलाड़ी सुविधाओं के अभाव में वंचित नहीं रहें इसके पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। उदयपुर में 5 करोड़ की लागत से खेल एकेडमी, जैसलमेर में बास्केटबॉल, करौली में कब्बड्डी व जोधपुर में फुटबाल एकेडमी की इस बजट में घोषणा की गई है। फुटबॉल, हॉकी व अन्य खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले बजट में झुंझनूं में पहला खेल विश्वविद्यालय खोलने की घोषणा की गई थी।

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने बताया कि खेलों को प्रोत्साहन के लिए सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर के परिसर में 5 करोड़ रुपए की लागत से सिंथेटिक ट्रेक बनाया जाएगा। उन्होंने बरकतुल्लाह खां स्टेडियम को राज्य का शानदार स्टेडियम बताते हुए इसमें अधिकाधिक अंतर्राष्ट्रीय मैच प्राप्त आयोजित किए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उम्मेद राजकीय स्टेडियम भी बेहतरीन है। उन्होंने दोनों स्टेडियम में खेल प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए जिला कलेक्टर को निरंतर संवाद स्थापित करने को कहा।

उन्होंने कहा कि अच्छे खिलाड़ी पूरी दुनिया में नाम रोशन करते हैं। ये खिलाड़ी ओलंपिक, एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम आदि में टीवी में निरन्तर दिखाई देते हैं, इससे उनकी लोकप्रियता बढ़ती है। खेल राज्य मंत्री श्री मांगीलाल गरासिया ने कहा कि देश के कर्णधारों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने खेल जगत में आमूलचूल परिवर्तन किए हैं। बहुद्देशीय स्टेडियम से आने वाली पीढ़ी को लाभ होगा। राज्य में खेल विश्वविद्यालय एवं खेल एकेडमी खोलने से ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। ओलंपिक व विभिन्न प्रतिस्पर्द्धाओं में राज्य के खिलाड़ियों ने प्रतिमान स्थापित किए हैं। सांसद चन्द्रेश कुमारी ने कहा कि शिक्षा के मण्डोर क्षेत्रा प्रमुख केन्द्र बिन्दु के रूप में विकसित हुआ है। इसी क्षेत्रा में शिक्षा के अनेक बड़े इंस्टीट्यूट है। मुख्यमंत्री ने अगली पीढ़ी के लिए यहां खेल व शिक्षा की बहुत बड़ी देन दी है।

आरंभ में जिला कलेक्टर एवं जिला क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ महाजन ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि 6 करोड़ 71 लाख रुपए की लागत से बनने वाला यह बहुद्देशीय इंडोर स्टेडियम खेल जगत के लिए सौगात है। इसमें बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, जिम, मीडिया बॉक्स एवं वी आई पी बॉक्स बनाए जाएंगे व अन्य बहुआयामी गतिविधियों का समावेश रहेगा।

समारोह में ऊर्जा मंत्री डॉ. जितेन्द्रसिंह तथा जेडीए चेयरमैन श्री राजेन्द्र सोलंकी भी उपस्थित थे। क्षेत्रीय पार्षद शशिकला गहलोत ने आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने जोधपुर में किया पशुगृह गौशाला व पशु चिकित्सालय का शुभारम्भ

जयपुर, 2 जुलाई । मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने सोमवार को जोधपुर नगर निगम द्वारा नांदड़ी में नवनिर्मित पशुगृह गौशाला व राजकीय पशु चिकित्सालय का शुभारम्भ किया और पीने के पानी की समस्या के समाधान के लिए ओवरहेड टैंक बनाने की घोषणा की।

श्री अशोक गहलोत ने कहा कि नवनिर्मित गौशाला में गायों के लिए सभी सुविधायुक्त कार्य होने के साथ ही पेड़ों व छाया की भी व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाना अच्छा कार्य है। इससे पर्यावरण में शुद्धता बनी रहती है। उन्होंने कहा कि इस गौशाला में अभी पांच हजार गायें है। इसके संचालन के लिए नगर निगम स्थायी फंड स्थापित करें ताकि उसके ब्याज से गौशाला चलती रहे।

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहाकि सरकार द्वारा एक बड़ा निर्णय लेकर आगामी 15 अगस्त से प्रदेश में पशुपालकों को राहत देने व प्रोत्साहित करने के लिए पशुओं के लिए नि:शुल्क उपचार व दवाईयों की व्यवस्था की जा रही है।

जोधपुर शहर में प्रदेश का पहला पशुपालक प्रशिक्षण संस्थान रातानाडा में खोला जाएगा जिस पर 1 करोड़ की लागत आयेगी। उन्होंने कहाकि पथमेड़ा व भादरिया गौशालाओं में भी हजारों गायों की सेवा की जा रही है। राज्य सरकार भी गौशालाओं को अनुदान दे रही है।

उन्होंने कहाकि प्रदेश में दो वर्षो से मानसून की मेहरबानी अच्छी रही है। अब भी अच्छे मानसून का इन्तजार हो रहा है। नरेगा के माध्यम से गांवो में जरूरतमंदों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या रोकने का आह्वान करते हुए कहाकि बेटी बचाना महत्ती आवश्यकता है।

उन्होंने कहाकि प्रदेश में बड़े रूप में पशुपालन कार्य हो रहा है। इसके साथ नस्ल पर भी ध्यान देना होगा ताकि आमदनी भी बढे। प्रदेश में 6 प्रतिशत दर से पशु दर बढी है। सरकार ने पशुपालन नीति भी बनायी है। उन्होंने कहाकि गोचर भूमि पर हो रहे अवैध कब्जों से उसे बचाना होगा।

नगरीय विकास मंत्री श्री शान्ति धारीवाल ने नगर निगम के गौशाला प्रोजेक्ट की प्रशंसा करते हुए कहा कि गायों की सेवा होगी और निगम का यह बड़ा कार्य है। उन्होंने कहाकि नगर निगम को शहर में अनेक कार्य करने होते हैं लेकिन संसाधन व आय सीमित होती है। उन्होंने कहा कि गौशाला संचालन के लिए कोई स्थायी व्यवस्था नगर निगम को करनी होगी। सांसद श्रीमती चन्द्रेश कुमारी ने कहा कि धर्म एवं संस्कृति में गाय की बड़ी मान्यता है।

महापौर ने गौशाला के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहाकि गौशाला में वर्तमान में पांच हजार गाये है। पानी व छाया व चारे की व्यवस्था है। गौशाला का 15 करोड़ का विकास प्रोजेक्ट है। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत का पूरा संरक्षण व सहयोग मिल रहा है। उन्होंने पशु चिकित्सालय भी शुरू कर दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत का गौशाला क्षेत्रा में ओवरहेड टैंक बनाने की घोषणा पर आभार जताया।

समारोह में ऊर्जा मंत्री डॉ. जितेन्द्रसिंह, जिला प्रमुख जे डी ए चेयरमेन श्री राजेन्द्र सोलंकी व पूर्व विधायक अनेक सन्त, जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने किया खेल छात्राावास का लोकार्पण

जोधपुर 1, जुलाई। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने रविवार को जोधपुर में खेल संकुल शाला क्रीड़ा संगम गौशाला मैदान में नवनिर्मित खेल छात्राावास का लोकार्पण किया। जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा इस छात्राावास के निर्माण कार्य पर 118 लाख रुपये की राशि व्यय की गई है।

लोकार्पण समारोह में खेल राज्य मंत्री श्री मांगीलाल गरासिया तथा ऊर्जा मंत्री डॉ. जितेन्द्रसिंह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने लोकार्पण करने के पश्चात भवन का अवलोकन भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने जिला कलेक्टर से गौशाला मैदान की खेल गतिविधियों एवं विस्तार कार्यों के संबंध में जानकारियां लीं।

लोकार्पण समारोह में जोधपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सोलंकी, महापौर, बीस सूत्री कार्यक्रम के उपाध्यक्ष, जोधपुर शहर विधायक सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने जोधपुर में महाराजा हनवन्तसिंह मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज व स्टेडियम का उद्घाटन किया

जयपुर, 2 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने सोमवार को जोधपुर में बी जे एस एज्यूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित महाराजा हनवन्तसिंह मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज भवन व जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित स्टेडियम का विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया। समारोह की अध्यक्षता मुख्य संरक्षक व कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष महाराजा गजसिंह ने की।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि बालिका शिक्षा के क्षेत्रा में महाराजा हनवंतसिंह मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज शुरू करने का निर्णय ऐतिहासिक है। इस प्रांगण में यह इतिहास बनने जा रहा है। इस कॉलेज से पूरे संभाग व आस-पास के क्षेत्रा की बालिकाओं को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि बालिका शिक्षा आज के जमाने में अनिवार्य है। समाज का कर्तव्य है कि आगे आकर शिक्षा को आगे बढ़ाने का कार्य करें। इसके लिए केवल सरकार के भरोसे रहना ठीक नहीं है। बालक-बालिकाओं को शिक्षा से वंचित नहीं रखे। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। पंचायत राज में 50 प्रतिशत आरक्षण रखा है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति व महिलाओं के बिना समाज की प्रगति संभव नहीं है।

उन्होंने बेटी बचाओं का आह्वान करते हुए कहा कि कन्या भ्रूण हत्या पाप है। कन्या को बचाना होगा। उसे शिक्षा के समान अवसर देने होंगे। उन्होंने कहा कि जो समाज, वर्ग, सम्प्रदाय जमाने के साथ नहीं चलेगा वह विकास की दौड़ में पिछड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि बीजेएस क्षेत्र में उन्होंने विकास के अनेक कार्य करवाये है और भी विकास होगा। चौपासनी स्कूल स्वामित्व का कार्य उनके पिछले कार्यकाल में हुआ व बीजेएस कालोनी के नियमन का कार्य भी उन्होंने न्यूनतम दर पर किया था। मुख्यमंत्रीश्री अशोक गहलोत ने बताया कि 40 हजार शिक्षकों की भर्ती की गई है व 20 हजार शिक्षक अगले वर्ष और भर्ती किए जाएंगे। गरीबो ंको दो किलो अनाज दिया जा रहा है। ग्रामीण बीपीएल आवास योजना में दस लाख आवास व शहरी क्षेत्रा में बीपीएल को 1 लाख मकान बनाकर दिए जाएंगे।

नगरीय विकास मंत्री श्री शांति धारीवाल ने कहा कि बालिका शिक्षा बढ़ाने का यह कदम निरन्तर आगे बढ़ता रहेगा ऐसे प्रयास होते रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 33 आर ओ बी व आर यू बी इस वर्ष बन रहे है। अगले वर्ष बजट में 10 आर ओ बी ओर बनेंगे।

सांसद श्रीमती चन्द्रेश कुमारी ने मुख्यमंत्रीश्री अशोक गहलोत की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कॉलेज की मान्यता का कार्य शीघ्र करवाया जिससे यह महाविद्यालय इसी सत्रा से शुरू हो सका है। उन्होंने बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। जेडीए चेयरमैन श्री राजेन्द्रसिंह सोलंकी ने कहा कि बी जे एस क्षेत्र में मुख्यमंत्री जेडीए के माध्यम से अनेक कार्य करवाये है और आगे भी इस क्षेत्रा के विकास में कोई कमी नहीं रखेंगे।

प्राचार्य डॉ. आर एस राठौड़ ने महाराजा हनवंतसिंह मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नये सत्र के लिए 15 जुलाई तक कला व वाणिज्य वर्ग के लिए छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत का कॉलेज मान्यता के लिए आभार जताया।

बीजेएस में 25 करोड के कार्य स्वीकृत हुए उनमें से सभी पूरे हो गये है और भी अनेक कार्य सरकार द्वारा करवाये जाएंगे। उन्होंने स्टेडियम निर्माण, कॉलोनी व सामुदायिक भवन निर्माण, पावटा आर यू बी, पट्टो की समस्या समाधान, चौपासनी विद्यालय स्वामित्व, कॉलेज मान्यता, सड़को के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

समारोह में मंच पर ऊर्जा मंत्री डॉ. जितेन्द्रसिंह, विधायक फलौदी श्री ओम जोशी, प्राचार्य श्री आर एस राठौड, बीजेएस सोसायटी चेयरमैन श्री नारायणसिंह शेखावत, पूर्व प्रधान श्री भंवरसिंह नोखा, पूर्व न्यासी श्री हनुमानसिंह खांगटा व पूर्व पार्षद भंवर कंवर उपस्थित थे।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने बी जे एस कॉलोनी में आर टी ओ ऑफिस स्थित जोगमाया मंदिर, न्यू कॉलोनी व गांधीपुरा में नवनिर्मित सामुदायिक भवनों का विधिवत फीता काटकर उद्घाटन भी किया।

अनमोल वचन

निःसन्देह परिश्रम दरिद्रता को मिटाता और उन्नति के द्वार खोलता है, परन्तु दूसरों को हानि पहुँचाने के लिए किया जाने वाला परिश्रम परिणाम में भयंकर और नुकसान दायक होता है।

ईमानदारी और कर्त्तव्य निष्ठा से लोक कल्याण के लिए किया जाने वाला परिश्रम नरक को स्वर्ग में बदल देता है।

जयन्ति विशेष

संत शिरोमणी श्री लिखमीदास जी महाराज

सैनिक क्षत्रिय माली (सेनी) समाज जैसे पिछड़े वर्ग में अखण्ड भारत में संत लिखमीदास ने धर्म व समाज जागरण का महती कार्य सम्पन्न किया। जिस समय जाति के आधार पर ऊंच-नीच व छुआछुत बोलबाला था उस समय संत लिखमीदासजी ने रात्रि जागरण के माध्यम से अपने भजनों व वाणियों से आमजन को नर सेवा ही नारायण सेवा है और मानव मात्र समान है की भावना जागृत की तथा स्वयं ने आगे बढ़कर अछूतों के घर में जलपान करके लोगों को छुआछूत मिटाने के लिए प्रेरित किया। माली (सैनी) समाज में जन्में संत लिखमीदासजी के कारण नागौर की ख्याति राजस्थान ही नहीं गुजरात, महाराष्ट्र व आंध्रप्रदेश में स्थापित है। वीर शिरोमणि अमरसिंह राठौड़ की वीरता तथा संत लिखमीदासजी का धार्मिक भाव से ओत-प्रोत कार्य आज भी प्रेरणा का विषय बना हुआ है।

आषाढ़ शुक्ला पूर्णिमा को आयोजित गुरू पूर्णिमा अनेक युग से भारतीय जनमानस मनाता आ रहा है सैनिक क्षत्रिय माली (सैनी) समाज द्वारा समाज के श्रद्धेय संत लिखमीदास जी महाराज को इसी गुरू परंपरा की कड़ी के रूप में श्रद्धा दी जाती है। इस अनमोल संत का जन्म विक्रम संवत् 1807 आषाढ़ सुदी पूर्णिमा (गुरू पूर्णिमा या व्यास पूर्णिमा) तदुनुरूप 8 जुलाई 1750 ईस्वी सन में भड़की बस्ती (चेनार ग्राम) में हुआ जो नागौर जिला मुख्यालय से मात्र 3 किमी दूर है। इनकी माता श्रीमती नत्थी व पिता रामूदास सोलंकी तथा गुरू खींयारामजी थे। चेनार बड़की बस्ती बास में आज दिन भी लिखमीदास के ईष्ट देवता बाबा रामदेव जी का मंदिर जीर्णशीर्ण अवस्था में खड़ा है। बड़े बुजुर्गों के अनुसार आप बाल्यकाल से ईश्वर की अराधना में लीन रहने लगे थे। उसी समय से अपने बाबा रामदेवजी महाराज की सेवा शुरू कर दी थी। महान व्यक्तित्व के धनी संत बचपन से ही बाबा रामदेव के भक्त थे, किन्तु भक्ति मार्ग में ज्ञान मार्गी थे। जिन पर सद्गुरू व संतो का व्यापक प्रभाव था। आपने युवा अवस्था में प्रवेश किया। तब आपका विवाह परसारामजी टाक की सुपुत्री श्रीमती चैनी के साथ सम्पन्न हुआ। आपके विवाह के बाद आपके पिताजी रामूदासजी इस संसार से चल बसे। आपकी माताजी आपके पिताजी की तरह भक्ति में बराबर मार्ग-दर्शन करती रही। जिस समय आपकी 25 वर्ष की आयु हुई थी। तब आपकी माताजी परमधाम पधार गई।

भक्ति मार्ग के ज्ञानमार्गो शाखा के प्रवर्तक संत कबीर के समान संत लिखमीदास भी पढ़ाई-लिखाई से अनजान थे। अमरपुरा गांव में पवित्र कृषि कार्य को अपनी गृहस्थ जीवन धारा का आधार बना कर संत प्रतिदिन भजन मण्डलियों के बीच भजन गाते व नये-नये पदों की रचना करते। कबीर के समान जैसी स्थिति हो उनमें से वह वाणी बोलते थे। ऐसी आम धारणा है कि उन्होंने हजारों भजन व दोहों की रचना की किंतु लेखन का ज्ञान न होने के कारण वह केवल श्रवण पद्धति का माध्यम बनकर रह गए। अगर उसकी वाणी/भजनों का संग्रहण करके शोध का कार्य किया जाए तो उन्हें मरूस्थलीय राजस्थान का कबीर कहा जाए तो अतिश्योति नहीं होगी। संत लिखमीदास ने गुरू महिमा, हिन्दू-मुस्लिमों की एकता, सत् संगति आदि अनेक विषयों पर भजन बनाये। इण विध सायब सीवरों अब तूं कर सिमरन मन तथा हरिजन हरि भज जनम रे गाफल कयां जागिया, आदि भजन शीर्षक राम नाम स्मरण व गुरू महिमा का ज्ञान कराते है। ऊंच-नीच कुल को नाहीं, संत बिना निवण कुण करिया, साधो भाई मस्जिद मंदिर, आदि भजन उनके सामाजिक समरसता व श्रेष्ठ धार्मिक मूल्यों के प्रति श्रद्धा को व्यक्त करते है। उनके द्वारा गेय भांति पद व वाणियां राग असावरी, अभाती, राग रौरठ, फकीरी आदि से युक्त है। जिन पर शोध किया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

संत लिखमीदास जी के बारे में लोक धारणा है कि उन्होंने अपने जीवन काल में अनेक चमत्कृत कार्य किए (पर्चे दिए) जैसे अमरपुरा को खाली करना, महाराजा भीमसिंह जी (जोधपुर) का ऑडीट ठीक करना, झुंझाले के गोसाई जी के मंदिर का बिना चाबी वाणी द्वारा ताला खोलना, बाड़ी में सिंचाई करना तथा दूसरे गांव में उसी समय सतसंग करना जिससे लोगों में उनके ईश्वर के प्रति श्रद्धा का भाव जागृत हुआ। संत शिरोमणि ने विक्रम संवत 1888 आसोज बदी षष्ठी (8 सितम्बर 1830) को ग्राम अमरपुरा में जीवित समाधि ली, ऐसा लोक श्रवण है।

आज भी उनकी जयंती पर नागौर जिले के मेड़ता, जसनगर, कुचेरा के साथ-साथ फालना, सुमेरपुर, जोधपुर, पाली आदि ही नहीं अपितु अहमदाबाद तथा हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) में भवरू समारोहो का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। धर्म व समाज के लिए जीने का संदेश देने वाले संत शिरोमणि लिखमीदासजी का कृतित्व व व्यक्तित्व सैनिक क्षत्रिय माली (सैनी) समाज के लिए प्रेरणा के साथ-साथ गहन अध्ययन व शोध का भी विषय है।

लिखमीदासजी महाराज की शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु

नागोर। संत लिखमीदास महाराज की जयंती मंगलवार को श्रद्धा से मनाई गई। इस मौके पर राठौड़ी कुआं से संत की भव्य शोभायात्रा निकली। इसमें शहर व आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में आए श्रद्धालु शोभायात्रा में शामिल हुए।

शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से निकली तो दर्शन के लिए भक्तों को तांता लग गया। शोभायात्रा करणी कॉलोनी, बेजला कुआं, ककुवालों की पोल, नया दरवाजा, बाड़ी कुआं, गांधी चौक, विजय वल्लभ चौराहा होते हुए अमरपुरा पहुंची। इस दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इससे पहले अमरपुरा में पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत के आतिथ्य में संत लिखमी दास महाराज की प्रतिमा का पूजन किया गया। इस दौरान अरबन कृपाराम सोलंकी, माली समाज के कृपाराम देवड़ा, नगर परिषद सभापति बिरदीचंद सांखला आदि मौजूद थे।

इसके अतिरिक्त गुरु पूर्णिमा एवं लिखमीदास जयंती के मौके पर एसएलडी सीनियर सैकण्डरी स्कूल ताऊसर के छात्रों ने मंगलवार को प्रभात रैली निकाली।

इस मौके पर शाला के सचिव रूपचंद कच्छावा ने लिखमीदास प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने संत लिखमीदास के जीवन एवं गुरु की महत्ता पर विचार व्यक्त किए। प्रधानाचार्य अनिल शर्मा ने विचार रखे। संत लिखमीदास की आरती के साथ शिक्षक शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम का संचालन मनीष गहलोत ने किया एवं जितेन्द्र स्वामी ने आभार जताया।

खींवसर! माली समाज भवन में मंगलवार को यहां संत लिखमीदास महाराज की जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। इस दौरान समाज बंधुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान अध्यक्ष रामकरण सैनी ने संत लिखमीदास महाराज की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि संत लिखमीदास महाराज के विचार युवा में ग्रहण करना चाहिए। इससे समाज में आपसी प्रेम व भाईचारा को बढ़ावा मिलता है।

हर्षोल्लास के साथ मनाई लिखमीदासजी महाराज की जंयति

पोकरण। स्थायीनाथ धुणे में मंगलवार को संत लिखमीदास जयंती समारोहपूर्वक आयोजित की गई। जयंती को लेकर सोमवार की रात्रि से ही विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संत की प्रतिमा पर रात्रि को पुजारी खेतगिरी महाराज ने पूजा अर्चना की। सोमवार की रात्रि को भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। मंगलवार को संत लिखमीदास महाराज की जयंती के अवसर पर सुबह प्रभात रैली का आयोजन किया गया।

प्रभात रैली के पश्चात् स्थाईनाथ धूणे के प्रांगण में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगरपालिका अध्यक्ष छोटेश्वरी आईदान माली उपस्थित थे। वहीं समारोह की अध्यक्षता माली विकास संस्थान के अध्यक्ष हंसराज सोलंकी ने की। समारोह के विशिष्ट अतिथि व्याख्याता सोनाराम सोलंकी, पार्षद खेताराम माली, मोतीलाल पंवार उपस्थित थे।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि छोटेश्वरी आईदान माली ने कहा कि माली समाज के संत लिखमादास महाराज ने कई समाजसेवी के कार्य किए। जिसके चलते उन्हें आज भी पूजा जाता है। उन्होंने कहा कि लिखमीदास महाराज द्वारा हजारों भजन तथा दोहों की रचना की। संत के रूप में प्रसिद्ध हुए लिखमीदास महाराज हमेशा ही भगवान की भक्ति में खोए संत लिखमीदास बाबा रामदेव के प्रिय भक्त थे तथा लिखमीदास महाराज साधारण वेशभूषा पहनते थे। जयंती समारोह के अवसर पर विशिष्ट अतिथि व्याख्यता सोनाराम माली, पार्षद खेताराम माली, मोतीलाल पंवार, राधाकिशन, भूरसा माली, कन्हैयालाल, कंवरलाल पंवार, कमल भाटी, मोहनसिंह गहलोत, जगदीश गहलोत, ओमप्रकाश गहलोत, रूखमण परिहार, लक्ष्मीनारायण परिहार, नेमीचंद गहलोत, लाभ सोलंकी कुमार सहित अनेक लोगों ने विचार व्यक्त किए।

रैली का हुआ आयोजन

महाराज की जयंती के अवसर पर समाज के लोगों द्वारा प्रभात रैली निकाली गई। इस प्रभात रैली में शरीक हुए सभी युवकों ने वाहन पर रैली निकाल कर संत लिखमीदास की जयंती के कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। यह रैली स्थायीनाथ धूणे से आशापूर्णा मंदिर, बीलिया रोड, कालका मंदिर, खींवज माता मंदिर, आईटीआई केन्द्र, फलसूंड संत लिखमादास महाराज की जयंती के अवसर पर रात्रि में भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या के अवसर पर पोकरण के गायक कलाकार जितेन्द्र लोढा ने आज पधारो म्हारे प्रांगण में महाराज..., ले लो म्हारा हरि नाम..., हरे कृष्णा हरे हरे कृष्णा..., माता ने बुलाओं म्हारे प्रांगण में..., भजन प्रस्तुत श्रद्धालुओं को रातभर बांधे रखा। इसी प्रकार सुरेन्द्र माली ने बाबो को आना पड़ेगा..., सुन अरज करूं डाली बाई..., मेरा रहते थे।

समारोह को संबोधित करते हुए माली विकास संस्थान के अध्यक्ष हंसराज सोलंकी ने कहा कि सत्यनारायण पंवार, डॉ. तरूण पंवार, ओमप्रकाश गहलोत, नेमीचंद सोलंकी, गोविन्दलाल, राणाराम, बधाराम सिणला, जितेन्द्र राड, अस्पताल रोड, जयनारायण सर्किल पर जाकर सम्पन्न हुई। इस अवसर पर भजन संध्या का हुआ आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं द्वारा भजनों पर तालियों की गड़गडाहट के साथ गायक कलाकारों का स्वागत किया गया।

अनमोल वचन

काम क्रोध और लोभ - ये आत्मा का नाश करने वाले नरक के तीन दरवाजे हैं। अतः इन तीनों को त्याग देना चाहिये। किसी के गुणों में दोष देखना, दुर्व्यसन, उद्दण्डता, क्रोध, कटुवचन और बुरी संगति को भी त्याग देना चाहिए। सरल और मधुर भाषा कल्याणकारी होती है।

वासना एवं तृष्णा ठंडी आग है, चैन और अमन के फूल इनके दायरे से बाहर हटकर ही खिल सकते हैं।

क्रोध मूर्खता से आरम्भ होता है और पश्चाताप पर समाप्त होता है।

कलेक्टर ने किया सांवर परिहार को सम्मानित

सबसे कम उम्र में रक्तदान शिविर आयोजक बने

जोधपुर। नवयुवक मंडल बालरंवा ओसियां के अध्यक्ष श्री सांवर परिहार को उम्मेद अस्पताल में कल रक्त दाता सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। सांवर परिहार जोधपुर जिले में ऐसे रक्तदान शिविर के आयोजन कर्त्ता है जो 18 साल से कम उम्र में 2 बार रक्तदान शिविर करवा चुके है। गोरतलब है कि सांवर परिहार 26 मार्च 2012 को 18 वर्ष के हुए जबकि शिविर 28 अगस्त व 25 दिसम्बर, 2011 को करवा चुके है।

सांवर परिहार उम्मेद अस्पताल में जोधपुर जिला कलेक्टर सिद्धार्थ महाजन के कर कमलों द्वारा सम्मानित हुए इस अवसर पर उम्मेद अस्पताल के रक्त कोष प्रभारी डॉ. मंजू बोहरा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर जोधपुर संपूर्णानंद के प्राचार्य डॉ. आर. के. आसेरी सहित कई गणमान्य लोग मोजूद थे। जोधपुर कलेक्टर ने सांवर परिहार के इस उम्र में ऐसे सामाजिक कार्यो को देखते हुए उनकी सराहना की तथा भविष्य में भी इसी तरह कार्य करने की प्रेरणा दी

फैली खुशी की लहर : बालरंवा नवयुवक मण्डल अध्यक्ष व माली छात्र संघ राजकोष समिति प्रमुख सांवर परिहार के जिलाधीश द्वारा सम्मानित होने पर परिहार के मित्रों सहित बालरंवा में भी खुशी की लहर फैल गई। परिहार ने सम्मान में कहा कि ये सम्मान मेरा न होकर मेरी पुरी युवा टीम व ग्रामवासियों का है। इस अवसर पर पार्षद शैलजा परिहार, माली छात्रसंघ युवा अध्यक्ष अजीत कच्छवाहा, यूथ कांग्रेस डेलिकेट मेम्बर दिनेश, हितेश परिहार सहित कई मित्रों ने मुंह मीठा करवा कर बधाई दी।

पूर्व मंत्री श्री मंगलसिंह सैनी के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

नई दिल्ली। श्री मंगलसिंह सैनी (एम.एस.सी.) व पूर्व मंत्री (उ.प्र.), अमरोहा निवासी का 12 मई 2012 को आकस्मिक ह्रदय गति रूक जाने से निधन हो गया।

ज्योति इनके निधन का समाचार जनता में आया उस समय अमरोहा ही नही पूरा उत्तर प्रदेश और विभिन्न राज्यों के सैनी समाज में शोक की लहर दौड़े गई।

समाज के लोग इनके शोक में दुखित होकर रो रहे थे, यह क्या हो गया। विभिन्न स्थानों पर शोक सभाएं आयोजित की गई जिसमें एक श्रद्धांजलि सभा दिल्ली में प्रस्तावित सैनी भवन स्थल, मंगोलपुरी इण्डस्ट्रियल एरिया फेज प्रथम, दिल्ली-85 में श्री श्रीपाल सैनी और श्री महावीर सिंह सैनी जी के संयोजन में आयोजित की गई जिसमें दिल्ली तथा गुड़गांव की विभिन्न सामाजिक संस्थानों के प्रतिनिधियों और कार्यकर्त्ताओं ने काफी संख्या में भाग लेकर अपने प्रिय नेता को भावभिनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि सभा में श्री जी.एल. सैनी, अध्यक्ष पूर्वी दिल्ली सैनी सभा ने उनकी संक्षिप्त जीवनी पर प्रकाश डाला। सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहां, मंगलसिंह सैनी, सी.ए.के. साथ-साथ एक योग्य, कार्यकुशल, ईमानदार, संघर्षशील, नीडर, सहयोगी प्रवृति के लोकप्रिय सामाजिक और राजनैतिक नेता थे। थोड़े समय में उन्होंने समाज व जनसेवा करके कुशल व लोकप्रिय नेता की ख्याति प्राप्त करली थी। सैनी समाज को बड़ा धक्का लगा है उनकी पूर्वी अपूरणीर्य है।

श्रद्धांजलि सभा में मुख्य तौर पर श्री श्रीपाल सैनी, राष्ट्रीय महासचिव, चौ. इन्दराजसिंह सैनी राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री महावीरसिंह सैनी, महासचिव सावित्री बाई फुले इण्ड, दिल्ली, श्री शिवराज सैनी, महासचिव, दिल्ली प्रदेश सैनी सेवा समाज, श्री जय भगवान सैनी, अध्यक्ष, अखिल भारतीय महात्मा फुले परिषद, दिल्ली प्रदेश, श्री शेरसिंह सैनी, प्रधान दिल्ली स्टेट सैनी सभा, श्री आजादसिंह सैनी, श्री राजकुमार सैनी, अध्यक्ष युवा सैनी सभा, गुड़गांव, श्री वृह्मसिंह सैनी, श्री रमेश सैनी, एडवोकेट, श्री आर.के. सैनी श्री सुमेरसिंह सैनी श्रीमति भुनेश सैनी, चेयरमैन महिला विग दिल्ली, श्री दयाराम सैनी, श्री सुमन सैनी आदि अन्य गणमान्य समाज सेवियों ने विचार रखे और उपस्थित सभी बन्धुओं ने पुण्पाजलि अर्पित की।

कांटो में गुलाब देखने की दृष्टि

रामस्नेही संत श्री रामप्रसाद महाराज

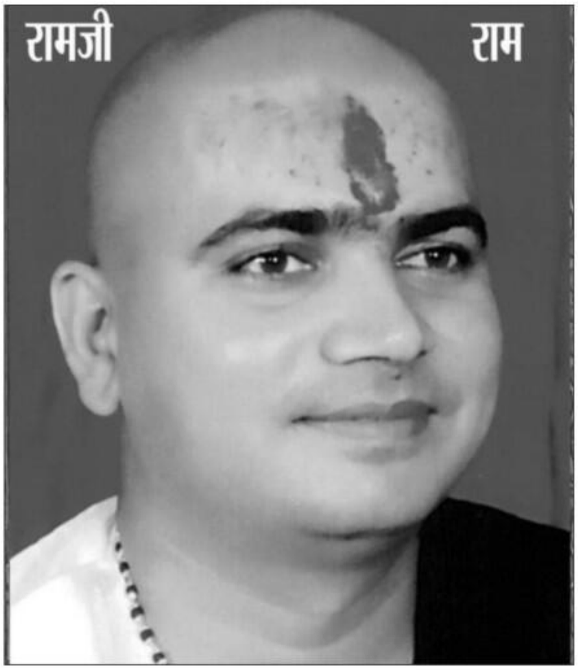

कलियुग को सभी कोसते हैं। सभी क्रोध, राग, द्वेष और वासना से ग्रस्त हैं। को त्रेता और द्वापर युग के गुण गाता है तो कोई सतयुग के। कलियुग को सभी कोसते है। यह एक निराशावादी मन गुलाब के साथ लगे कांटों को ही देखता है। परन्तु जो आशावादी हैं, वे कांटों के संग गुलाब ही नहीं देखते बल्कि अपने सान्निध्य में आने वालों को भी वही दृष्टि प्रदान करते हैं जो कांटों के बीच खिले गुलाब को देख सकें।

श्री बड़ारामद्वारा सूरसागर, जोधपुर के संत श्री रामप्रसाद जी महाराज ऐसे ही प्रज्ञा पुरूष हैं जो समाज में चारों ओर बिखरे कांटों की चुभन के साथ गुलाब एवं उसमें बसी खुशबू को महसूस करने की प्रेरणा देते है। वे समाज में चारों ओर व्याप्त अनैतिकता, अराजकता और असहिष्णुता के बावजूद निराश और हताश नहीं है वरन् दृढ़ आशावादी है कि भारतभूमि पर फिर नेकी और नैतिकता का साम्राज्य होगा। वे निराशा के अंधकार में भटकने वाले मानव को 'राम नाम' का अमोघ मंत्र दे रहे है। कहते है राम नाम जपते रहो, सारी बुरी प्रवृतियां पीछे हटती जाएंगी। राम नाम जपते रहो, प्रेम से जपो तो स्वत: ही सभी बुरी प्रवृतियां एवं अवरोध हट जाएंगे। क्रोध, वासना राग, द्वेष सब स्वत: हट जाएंगें।

संत श्री रामप्रसाद जी महाराज कहते है क राम नाम जप में किसी विधि - विधान, देश काल, अवस्था की कोई बाधा नहीं है। किसी प्रकार से कैसी भी अवस्था में, किसी भी परिस्थिति में, कहीं भी, कैसी भी राम नाम का जप किया जा सकता है। राम नाम जप से हर युग में भक्तों का भला हुआ है तो फिर कलियुग में क्यों नहीं होगा? रामचरित मानस से तुलसीदास जी की एक चौपाई सुनाकर वे इसे स्पष्ट भी करते हैं। 'कलियुग केवल नाम, अधारा, सुमिरि, सुमिरि नर उतरहिं पारा'। तुलसीदास जी महाराज की इस चौपाई की व्याख्या करते हुए वे कहते है कि जनमानस की हालत देखकर ही रामायण में यह समझाया गया है कि कलियुग में बेशक बहुत - सी गड़बड़ियां होगी, मगर उन सबसे बचने का उपाय जितनी सरलता से कलियुग में मिल सकता है, उतनी सरलता से किसी और काल में नहीं मिला। पहले प्रभु को पाने के लिए ध्यान करना पड़ता था। त्रेता युग में योग से प्रभु मिलते थे तो द्वापर युग में कर्म - कांड से। ये मार्ग नितांत कठिन और घोर तपस्या के बाद ही फलीभूत होते थे पर कलियगु में ईश्वर को प्राप्त करना सरल हो गया है। केवल राम नाम जप ही औषधि है जिससे सभी रोग नष्ट हो जाते है।

देश के वर्तमान हालात में राम, रामायण और राम-कथा कितने प्रांसगिक हैं? इस पर संत श्री रामप्रसाद जी महाराज का कहना है कि राम नाम जप जितना प्रासंगिक आज है, उतना पहले कभी नहीं रहा। चारों और संस्कारों का अकाल और अनैतिकता का बोल-बाला बढ़ रहा है। आज हम पश्चिम की नकल में स्वयं को धन्य समझ रहे हैं, जब जबकि पश्चिम तो पूर्व के संस्कारों से स्वयं को समृद्ध करने के सार्थक प्रयासों में रत है। उन्होंने कहा कि आज पूर्व में कोई भी प्रतिभा उभरने लगती है तो पश्चिम उसे अपने पास खींच लेता है। प्रतिभा - पलायन के इस दौर में आज आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि हो रही है, हमारे पूर्वजों ने ज्ञान की जो थांती हमें ग्रंथों के रूप में सौंपी थी, वे भी आज पश्चिम को धन्य कर रही है। संस्कृत के इन ग्रंथों, जिनमें अध्यात्म, आयुर्वेद, संस्कारों, ज्ञान-विज्ञान और योग का खजाना छिपा हैं, वे पश्चिम को न केवल रास आने लगे है बल्कि वह इसे आत्मसात् करने को आतुर ह। सौंदर्य प्रतियोगिताओं का जिक्र करते हुए संत श्री रामप्रसाद जी महाराज कहते है अंग-प्रदर्शन अब पशचिम की बजाय पूर्व में संस्कारों को लील रहा है। उन्होंने सवाल खडा किया कि क्या कारण है कि सदियों के बाद कोई एक दशक पूर्व से ही भारत की सुदिरियां विश्व की सर्वश्रेष्ठ सुन्दरियां चुनी जाने लगी है। अपने इस सवाल का जवाब स्वयं वे ही देते है कि इसके पीछे हमारी संस्कृति को नष्ट करने की गहरी और घिनौनी साजिश है। टेलीविजन के माध्यम से सुनियोजित ढंग से संस्कृति को विकृत और संस्कारों को नष्ट करने के प्रयास असहसनीय और अक्षम्य है।

ऐसे हालात से उबरने और उत्थान की क्या राह हो सकती है ? इस प्रश्न के उत्तर में संत श्री रामप्रसादजी का कहना था कि राम नाम जप। उन्होंने जोर देकर कहा कि राम नाम जप ही वह औषधि है जो आज के युग में अमोघ क्या कारण

है कि अस्त्र है। चातुर्मास में तो संत श्रीरामप्रसादजी सत्संग व प्रवचन से भक्तों को राह दिखाते ही है, वे चातुर्मास के अलावा भी आए दिन कहीं न कहीं सत्संग, रामकथा या भागवत कथा का निरंतर वाचन कर भक्तों को 'राम नाम' की महिमा से साक्षात कराने के अनुष्ठान में जुटे है।

वे कहते है कि रामकथा और भागवत कथा श्रवण के प्रत्येक स्थान पर महिलाओं का सैलाब उमड़ता है वे कहते है कि महिलाओं के हाथों हमारी संस्कृति और संस्कार सुरक्षित है। न केवल सुरक्षित बल्कि पल्लवित ओर पुष्पित हो रही है।

यदि घर की एक महिला में भी राम नाम जप की प्रेरणा जन्म लेती है तो घर के सभी सदस्यों को संस्कारित करती है। इसकी पुष्टि हेतु वे यह बताते है कि हर कथा के बाद स्त्रियां, लड़कियां एवं पुरूष सामाजिक बुराईयां छोड़ने का संकल्प लेते है और उस संकल्प में वे एक सुख का अनुभव करते है। सैकड़ों लोगों को अफीम, बीड़ी, तम्बाकू एवं यहां तक की चाय भी छोड़ने के लिए प्रेरित करते है। अत: वे कहते है कि चारों और ऐसे वातावरण के बावजूद वे निराश नहीं है। उन्हें तो कांटे नहीं कांटों के बीच खिला हुआ गुलाब ही नजर आता है। वे अपने प्रवचनों से इसी गुलाब की सुगंध से समाज को सराबोर कर कांटों को भूलने की दृष्टि प्रदान करने के अनुष्ठान में जुटे है। वे अपनी अल्पायु से ही रामायण में तुलसीदासजी की चौपाई कलियुग केवल नाम अधारा, सुमिरि-सुमिरि नर उतरहिं पारा को जन मानस में प्रतिष्ठित कर रहे है।

रामस्नेही सम्प्रदाय से जुड़ होने और श्रीबडारामद्वारा के संत होने के बावजूद उनका भागवत गीता और अन्य धार्मिक ग्रन्थों पर भी समान अधिकार है।

भागवत कथा वाचन के बारे में पूछा तो बोले जिस प्रकार रणक्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को कर्तव्य अकर्तव्य से परिचित कराते है और उहापोह के भ्रमजाल से निकलने की दृष्टि प्रदान करते है। उसी प्रकार गीता का पाठ भी हमें वर्तमान दुष्चिंताओं से मुक्ति दिलाने में सहायक है। गीता मानवमात्र को जीवन में प्रतिक्षण आने वाले छोटे मोटे संग्रामों के समान हिम्मत से खड़े रहने की शक्ति देती हैं मनुष्य का कर्तव्य क्या है? इसका बोध कराना ही गीता का केन्द्रीय विषय है।

संत श्री रामप्रसादजी जब भी जहां भी भागवत वाचन करते है भक्तों का सैलाब उमड़ता है। वे कहते है कि गीता कर्मवीरों को कर्म करने का उत्साह देती है। ज्ञानियों को भक्ति का रहस्य मिलता है।

गीता किसी भी स्थिति में श्रद्धा को नष्ट नहीं होने देती है। निराशा के अंधकार में भटकने वाने मानव के जीवन में गीता आशा का प्रकाश बिखेरती है। वे कहते है कि भागवत कथा को या रामकथा, उद्देश्य केवल अंधकार से प्रकाशकी ओर बढ़ना, कांटों के बीच गुलाब को तलाशना है। इसीसे इहलोक का उद्धार होगा। निराशा का तो कोई स्थान ही नहीं है।

सुनिता बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय को जिला स्तर पर विज्ञान वर्ग 2010-11 का सर्वोतम परीक्षा परिणाम देने पर

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा आनन्दसिंह सांखला का सम्मान

जोधपुर : सुनिता बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय को जिला स्तर पर उच्च माध्यमिक विज्ञान वर्ग 2010-11 का सर्वोत्तम परीक्षा परिणा देने पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती गजरा चौधरी व अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रेमचन्दजी सांखला द्वार संस्था प्रधान श्री आनन्दसिंहजी सांखला को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उच्च स्तरीय परीक्षा परिणामों के कारण आज इस विद्यालय की गिनती राजस्थान के टॉप 10 विद्यालयों में होती है। पूर्व में भी दशमी बोर्ड का 2004 व 2010 में जिला स्तर श्रेष्ठ परिणा देकर स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा दो बार यह विद्यालय सम्मानित हो चुका है। सूर्यनगरी के प्रमुख शिक्षण संस्थाओं में सुनिता बाल निकेतन सी.सै. विद्यालय की स्थापना सेवानिवृत प्रधानाध्यापक श्री जगदीशसिंह आये के द्वारा वर्ष 1985 में की गई थी।

वर्तमान में प्रधानाचार्य श्री आनन्दसिंह सांखला के कुशल नेतृत्व में यह विद्यालय सीनियर सैकेण्डरी स्तर तक पहुंच चुका है। पिछले 27 वर्षो से बालकों में चरित्र निर्माण, आत्मानुशासन एवं भारतीय सभ्यता और संस्कृति का ज्ञान कराते हुए एक आदर्श विद्यालय के रूप में कार्य कर रहा है। विद्यालय के परीक्षा परिणामों के बारे में प्रधानाचार्य श्री आनन्दसिंह सांखला ने बताया कि पिछले 11 वर्षो से विद्यालय का दशमी बोर्ड का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा है। इसमें भी 91.52 प्रतिशत विद्यार्थी प्रथम रेणी से उर्तीण हुए तथा शेष द्वितीय श्रेणी से उतीर्ण है। सत्र 2011-2012 में दशमी बोर्ड में 49

विद्यार्थियों में से 38 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी तथा शेष 11 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उतीर्ण हुए। उच्च माध्यमिक बोर्ड परीक्षा सत्र 2011-2012 के परिणामों पर नजर डाले तो विज्ञान वर्ग का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा है। 58 में से 57 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी व 1 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उतीर्ण हुआ। इसी प्रकार वाणिज्य वर्ग में 58 में से 48 प्रथम व शेष 10 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उतीर्ण हुए। कला वर्ग में 42 में से 33 प्रथम व 7 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उतीर्ण हुए। कला वर्ग की छात्रा पूजा सुथार ने जिला स्तर पर नौवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय के गुणवता को सिद्ध किया।

राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजना

मुख्यमंत्री अन्न सुरक्षा योजना

* राज्य में पहली बार 10 मई, 2010 से मुख्यमंत्री अन्न सुरक्षा योजना का शुभारम्भ किया गया है। इस योजना में राज्य के बीपीएल एवं स्टेट बीपीएल वर्ग के परिवारों को अन्न सुरक्षा प्रदान करने के लिए 2 रूपये प्रति किलोग्राम की दर पर 25 किग्रा. प्रति परिवार प्रतिमाह गेहूँ उपलब्ध करवाया जा रहा है। उपरोक्त योजना में खाद्यान्न वितरण प्रत्येक माह की 22 से 28 तारीख के दौरान एक सरकारी कर्मचारी की उपस्थिति में किया जा रहा है। अन्त्योदय अन्न योजना के लाभार्थियों को 35 किलो गेहूँ प्रति माह 2 रूपये किलो की दर से दिया जा रहा है। यदि परिवार आटे के स्थान पर फोर्टिफाइड आटा लेना चाहे तो उसे 3.60 रूपये प्रति किग्रा. की दर से उपलब्ध कराया जा रहा है।

★ **लाभार्थी** – इस योजना के अन्तर्गत राज्य के 38.83 लाख बीपीएल तथा स्टेट बीपीएल परिवारों को लाभन्वित किया जा रहा है। राज्य के एपीएल परिवारों के लिए भी 10 जिलों में 8.10 रूपये प्रति किग्रा. तथा शेष जिलों में 8.60 रूपये प्रति किग्रा. की दर से 10 किग्रा. तक फोर्टिफाइड आटा उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 350 रूपये करोड़ खर्च वहन किए जा रहे है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बीपीएल आवास योजना

* राज्य में ग्रामीण बीपीएल आवासों की लम्बित मांग को ध्यान में रखते हुए इन्दिरा आवास योजना की तर्ज पर राजस्थान विधानसभा में मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट वर्ष 2011-12 के बजट भाषण में इंदिरा आवास योजना की तर्ज पर पहली बार मुख्यमंत्री ग्रामीण बीपीएल आवास योजना कालू करने की घोषणा की गई।

यह योजना राज्य में वर्ष 2011-12 से वर्ष 2013-14 तक लागू रहेगी। इस प्रकार आगामी तीन वर्षों में लगभग 6 लाख 80 हजार ग्रामीण बीपीएल परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। इस योजना में आगामी 3 वर्षो में इन्दिरा आवास योजना को शामिल करते हुए 10 लाख बीपीएल परिवारों को आवास उपलब्ध कराए जायेगे। इस योजना के लिए राज्य सरकार द्वारा हुडको से 3400 रूपये करोड़ का ऋण किया जायेगा।

★ **वित्त पोषण** – इस योजना के वित्त पोषण हेतु जिला परिषदों द्वारा हुडको से ऋण लिया जाएगा, परन्तु लाभार्थी को यह राशि नवीन आवास निर्माण हेतु अनुदान सहायता के रूप में इंदिरा आवास योजना की तर्ज पर उपलब्ध कराई जायेगी। जिला परिषद द्वारा हुडको से ऋण लेने, ऋण के पुनर्भुगतान समय पर करने एवं पुनर्भुगतान हेतु राज्य के वित्त विभाग से अनुदान समय से प्राप्त करने से सम्बन्धित समस्त कार्यवाई पंचायतीराज विभाग की देखरेख में सम्पादित की जायेगी। राज्य स्तर पर पंचायती राज विभाग नोडल विभाग होगा।

* लक्षित समूह – योजनान्तर्गत आवासों के लिए लक्षित समूह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, मुक्त बंधुआ मजदूरों के सदस्यों अल्पसंख्यकों एवं गैर अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले ग्रामीण परिवार, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले युद्ध में मारे गए सशस्त्र, अर्द्ध सैनिक बलों के जवानों की विधवाएं तथा सम्बन्धियों (उनके आय मानदण्ड पर ध्यान दिए बिना), अन्य शर्तों को पूरा करने वाले भूतपूर्व सैनिक और अर्द्ध सैनिक बलों के सेवानिवृत अन्य शर्तों को पूरा करने वाले भूतपूर्व सैनिक और अर्द्ध सैनिक बलों के सेवानिवृत सदस्य है।

★ **कार्यान्वयन की कार्य-नीति**- इस योजना को जिला परिषदों के जरिये इंदिरा आवास योजना की तर्ज पर कार्यान्वित किया जाएगा तथा नवीन आवासों का निर्माण स्वयं लाभार्थियों द्वारा किया जाएगा।

अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी

* वर्ष 2009 में राज्य सरकार द्वारा पहली बार जारी इस पॉलिसी का उद्देश्य मुख्य रूप से आर्थिक दृष्टि से कमजोर व अल्प आय वर्ग के लोगों के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के माध्यम से कम लागत पर आवासों का निर्माण करना है। इस नीति के तहत 5 मॉडल तैयार किए गए है।

★ **प्रमुख बिन्दु** – राज्य के नगरीय निकायों के लिए वर्ष 2013-14 तक कुल 5 लाख ई.डब्ल्यू.एस., एल.आई.जी., आवास बनाने का लक्ष्य है। आवासन मण्डल, शहरी विकास प्राधिकरणों व न्यासों द्वारा 80 हजार आवास निर्माण की योजना की क्रियान्वयन।

समाज के युवा अमित सैनी बने आई. ए. एस.

बुढ़ाना (उत्तर प्रदेश) के प्रतिभाशाली युवक अमित सैनी ने आई.ए.एस. परीक्षा में 212 वीं रैंक प्राप्त करके अपने क्षेत्र व समस्त सैनी समाज का नाम रोशन किया।

शिक्षक धर्मपाल सैनी निवासी नई बस्ती बुढ़ाना के सबसे छोटे सुपुत्र अमित सैनी के आई.ए. एस. परीक्षा में 212वीं रैंक प्राप्त करने पर समस्त सैनी समाज ने गौरवांवित महसूस किया। अमित सैनी की कठोर मेहनत, लग्न व कर्मठता के सभी कायल हो गये। उन्होंने समाज को सन्देश दे दिया है कि यदि सही ढंग से मेहनत की जाये तो कठिन से कठिन लक्ष्य भी आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

अमित सैनी ने पिछले वर्ष भी आई.ए.एस. की परीक्षा दी थी। उसमें 610वीं रैंक प्राप्त कर उनका आई.आर.एस. में चयन हो गया था और इस समय वे कॉचीन में असिस्टैन्ट कस्टम कमिश्नर के पद की ट्रेनिंग ले रहे हैं। अमित सैनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता सहित अपने कुछ दोस्तों को दिया। यह बुढ़ाना के इतिहास में पहला अवसर है जो किसी ने आई. ए.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

अमित सैनी ने हाईस्कूल बुढ़ाना, इंटर मुजफ्फरनगर, ग्रेजुएशन दिल्ली ओपन यूनिवर्सिटी से की हैं इनके परिवार में माता पितां के अलावा दो भाई व एक बहन है। पिता डी.ए.वी. इन्टर कॉलेज, बुढ़ाना से प्रवक्ता पद से सेवानिवृत हो चुके है। इनके एक जुड़वा भाई आशीष सैनी नोयड़ा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है।

अमित सैनी के आई.ए.एस. बनने का समाचार सुनते ही श्री धर्मपाल सैनी के आवास पर शुभकामनाएं देने वालों क तांता लग गया। इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे को बधाई दी व मिष्ठान वितरित किया।

माली सैनी संदेश परिवार उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

सुमन माली ने स्व. माता-पिता का नाम रोशन किया

जसनगर (दुलाराम सैनी) कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा सुमन माली ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर के कला वर्ग के परिणाम में 3 विषयों में विशेष योग्यता हासिल कर जसनगर क्षेत्र का नाम रोशन करने के साथ-साथ इस धारणा को भी फिर से झुठला दिया कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षा का स्तर निजी विद्यालयों की बनिस्पत कमजोर होता है।

सुमन की सफलता इस मायने में भी उल्लेखनीय कही जाएगी कि उसने नियति के क्रूर फैसलों के बावजूद हिम्मत नहीं हारी सुमन के मां व पिताजी का साया उठने के बाद कभी भी हिम्मत नहीं हारी। हमेशा हौंसला बुलंद रखा और माता-पिता को खो देने के बाद भी अपनी इच्छाशक्ति और हौंसला बनाए रखा।

सुमन माली पुत्री स्व. लिखमाराम सांखला ने हिन्दी में 76 अंग्रेजी में 74, राजनीति विज्ञान में 79, इतिहास में 87 अंक प्राप्त कर अपनी अदम्य जिजिविषा और जीवट का उदाहरण प्रस्तुत किया। जसनगर माली समाज का नाम रोशन किया। सुमन माली ने स्व. माता-पिता व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का 78.2 किये जाने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी। सत्र 2008-09 में 10वीं बोर्ड परीक्षा के दौरान गणित पेपर समय सुमन के माता का निधन के बाद भी परीक्षा केन्द्र पहुंचकर परीक्षा दी।

सुमन का हौंसला बुलंद करने के लिए कई भामाशाहों ने आर्थिक सहायता भी प्रदान की थी। सुमन के पहले पिता फिर माता के बाद दादाजी के निधन हो जाने के बाद बड़े भाई प्रेमसुख सांखला की देखरेख में शिक्षा ग्रहण कर रही है।

सुमन सफलता और उसके भविष्य के व्याख्याता कचराराम माली जसनगर, व्याख्याता मनोहरलाल गहलोत मेड़ता, जसनगर उपसरपंच हाऊलाल माली, मिर्नी बैंक के अध्यक्ष भीकाराम गहलोत, मैनेजर सोहनलाल भाटी, प्राचार्य मांगीलाल आर्य, अनिल शर्मा, प्रेमसुख सांखला, चैनाराम सांखला, तेजाराम सांखला, चन्द्राराम चौहान, सन्तोष, किरण, सुलोचना सैनी और सभी छात्र-छात्राओं ने उसे प्रेरणा की पुंज बताते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दी।

माली सैनी संदेश मेरिज ब्यूरों

माली समाज में पारस्परिक रिश्तें कायम करने के लिए विवाह योग्य युवक युवती का रजिस्ट्रेशन(पंजीयन)नि:शुल्क किया जाता है। पत्रिका ऐसे सभी योग्य वर/ वधू का पंजियन कर उनका विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित करेगा इस हेतु लड़की की न्यूनत्तम आयु 18 वर्ष व लड़के की न्यूनत्तम आयु 21 वर्ष होना आवश्यक है। पत्रिका की ओर से वर्ष में एक बार परिचय सम्मेलन का भी आयोजन किया जायेगा। संभावित रिश्ते वाले दोनों पक्षों को सूचित कर रिश्तें कायम करने का हर संभव प्रयास किया जायेगा।

युवक–युवती व्यक्तिगत विवरण

नवीनतम फोटो

क्रम संख्या.................... दिनांक ....

1. युवक/युवती का नाम...गौत्र ....

2. युवक/युवती कार्यरत है, व्यवसाय का नाम व पता..

....

....फोन नम्बर............................मोबाईल नम्बर.................................वार्षिक आय..

3. शैक्षिक योग्यता ....विशेष योग्यता..

3. जन्म तिथि.. ऊँचाई..............................से. मी. वजन.......................... किलो

4. शारीरिक रंग : गोरा/गेंहुआ/श्याम........................चश्में का प्रयोग : हा/ नहीं................ मांगलिक है या नहीं........................

3. अन्य जानकारी जो आप देना आवश्यक समझें..

....

3. पारिवारिक विवरण

पिता का नाम..माता का नाम..

माता/पिता का निवास स्थान..

....फोन नम्बर..मोबाईल नम्बर..

माता/पिता व्यवसायिक पता..

....फोन नम्बर..मोबाईल नम्बर..

वार्षिक आय..मकान निजी/किराये का..

भाई–बहनों की संख्या........................... विवाहित :भाई...................... बहिन...................... अविवाहित :भाई....................बहिन....................

4. ननिहाल पक्ष विवरण

नाना /मामा का नाम व पूरा पता..

....

....फोन नम्बर..मोबाईल नम्बर..

हस्ताक्षर अभिभावक दिनांक .... **हस्ताक्षर युवक/ युवती**

भेजे : **माली सैनी संदेश**, पोस्ट बाक्स नं. 09, जोधपुर या फिर ई–मेल करें : **malisainisandesh@gmail.com; www.malisainisandesh.com**

निरंतर प्रयास से मिलती है सफलता

सैनी प्रतिभा सम्मान समिति की ओर से सम्मान समारोह

रूड़की। सैनी प्रतिभा सम्मान समिति की ओर से 250 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। मेधावी छात्र-छात्राओं को समिति ने स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए। नगर पालिका सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट सहारनपुर अजय कांत सैनी ने कहा कि निरंतर प्रयास से निश्चित ही सफलता मिलती है और युवाओं को कड़ी मेहनत, लगन से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि समाज का विकास शिक्षा के बल पर ही हो सकता है। इसलिए समाज की युवा शक्ति को शिक्षा हासिल करने के लिए पूरी लगन मेहनत से प्राप्त करनी चाहिए। इंजीनियर रणविजय सिंह सैनी ने कहा कि समाज के महापुरूषों के व्यक्तित्व को जानने के लिए युवाओं को जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों को आपसी द्वेष भाव को दूर कर मिलजुल कर रहना चाहिए। इस मौके पर महावीर सिंह सैनी, बीईओ ब्रह्मपाल सिंह सैनी, आशीष सैनी, कलीराम सैनी, सुरेंद्र सैनी, सुदेशना सैनी, डा. डीएस आर्य, इंदरदीप सिंह, वीरेंद्र सिंह सैनी, जितेंद्र सैनी, आदेश सैनी आदि मौजूद रहे।

लोकेश गहलोत की स्मृति में 151 ने किया रक्तदान

बीकाने/ स्व. लोकेश गहलोत पुत्र श्री सुनील गहलोत किसमीदेसर की प्रथम पुण्यतिथि 20 जून 2012 को माली-सैनी क्षत्रिय सभा भवन गोगा गेट बीकानेर में लोकेश गहलोत स्मृति संस्थान किसमीदेसर के तत्वाधान में आयोजित रक्तदान शिविर में 151 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इनमें 11 महिलायें भी शामिल थी। रक्तदान को लेकर समाज के युवाओं में भारी उत्साह देखा गया।

सुबह से ही माली समाज भवन में रक्त देने वालों की हौड़ सी रही। सुबह 9 बजे शुरू हुये रक्तदान शिविर में 11 बजे तक 80 युवा अपना रक्तदान कर चुके। शिविर में आये डॉ. पृथ्वीराज सांखला, जिला कलेक्टर बीकानेर ने रक्तदान जैसे कार्य को समाज के लिये प्रेरणादायी और महादान बताया। वेटेरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ए.के. गहलोत ने स्वैच्छिक रक्तदान को सामाजिक उतरदायित्व का प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय कार्य बताया और कहा कि मानवीय सेवा का इससे अच्छा उदाहरण दूसरा हो नहीं सकता। इस अवसर पर डॉ. बुलाकीदास कल्ला अध्यक्ष, वित आयोग, भवानी शंकर शर्मा महापौर, नगर निगम बीकानेर, हाजी मकसूद अहमद, अध्यक्ष नगर विकास न्यास, कांग्रेस के डॉ. तनवीर मालावत, सलीम भाटी, श्याम तंवर, यशपाल गहलोत अध्यक्ष (शहर) कांग्रेस कमेटी व डॉ. महेन्द्र खड़गावत, निदेशक राज. रा. अभिलेखागार, डॉ. आर.एस. तंवर, डॉ. एन.एल. मावर, नरेश गोयल, गुमानसिंह राजपुरोहित, हारून राठौड़, प्रतापसिंह गहलोत, निहालसिंह सैनी, भगत गहलोत आदि कई नामी गिरामी गणमान्य लोगों ने रक्तदाताओं की हौसला अफजाई कर पीड़ित मानवता की रक्षार्थ इस आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। गहलोत परिवार द्वारा आयोजित इस शिविर में समाज के कई कार्यकर्ताओं ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया मेडीकल टीम की प्रभारी डॉ. निकिता व डॉ. लोकेश आचार्य के साथ मास्टर इन्द्र गहलोत मा. प्रभु गहलोत व मास्टर शांतिलाल गहलोत का सहयोग सराहनीय रहा।

इससे पूर्व प्रात: लोकेश स्मृति संस्थान के संरक्षक श्री जेठमल जी गहलोत ने आदर्श विद्या मन्दिर किसमीदेसर में शीतल पेय जल मशीन को भेंटकर उद्घाटन किया।

खरी-खरी

माली संस्थान द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता में भेदभाव क्यों...

क्या आप जानते है?

माली संस्थान द्वारा समाज की विधवाओं, विकलांगों, और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो को हर महिने आर्थिक सहायता प्रदान करता है इसके अलावा माली संस्थान द्वारा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो को मेडिकल सहायता भी प्रदान की जाती है।

लेकिन शायद ही इसके बारे में समाज के विभिन्न जिलों में जानकारी है। क्योंकि संस्थान के पदाधिकारी इन सहायताओं के बारे में कभी भी किसी भी सभा में जानकारी नहीं देते है।

समाज की इस संस्थान की कार्यप्रणाली समझ से बाहर है, यह जिन्हें अपना हितेषी मानते है उन्हें हर संभव सहायता देने में जरा भी नहीं झिझकते है । लेकिन इन सहायता की जानकारी समाज के किसी भी सम्मेलन में नहीं देते है क्यों ?

समाज के अनेकों जिलों में कई विधवा महिलाएं है जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है इसके अलावा शारीरिक विकलांगता के भी अनेकों समाज बंधु है जिनकी थोड़ी सा संबल मिल जाए तो उनके लिए बहुत बड़ी बात होगी। लेकिन संस्थान अध्यक्ष इस बारे में कभी किसी भी सम्मेलन में जानकारी देना उचित नहीं समझते है न ही इसके लिए समाज के विभिन्न जिलों के संस्थान प्रतिनिधियों को इसकी जानकारी दे उन्हें इसके लिए आवेदन प्राप्त करने हेतु किसी प्रकार के फार्म उपलब्ध कराते है। संस्थान अध्यक्ष महोदय सिर्फ अपने हित के लिए इन सुविधाओं का उपयोग करते है। संस्थान द्वारा विधवाओं और विकलांगों को 300 रूपये मासिक आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है । साथ ही मेडिकल सहायता हेतु अधिकतम 10,000 रूपये या इससे अधिक की राशि रोगी को प्रदान की जाती है । लेकिन यह सुविधा अध्यक्ष महोदय के चहेतों को ही उपलब्ध होती है जरूरतमंद को इस प्रकार की जानकारी भी नहीं है जबकि संस्थान अध्यक्ष सामाजिक सम्मेलनों में समाज उत्थान की बड़ी बड़ी बातें करते है।

माली सैनी संदेश ने पिछली आम सभा में संस्थान अध्यक्ष को पत्र के माध्यम से 9 बिन्दुओं पर चर्चा करने की मांग की लेकिन अध्यक्ष महोदय ने केवल 1 बिंदु स्व. श्री मानसिंह देवड़ा के नाम से पुस्तकालय खोलने की ही बात सभा में सर्वसम्मति से पास करवाई जबकि सर्वप्रथम बिंदु जिसमें विधवाओं, विकलांगों के लिए आर्थिक सहायता बढ़ानें की बात कही उस पर चर्चा ही नहीं की, शायद आम सभा में सभी जिलों के प्रतिनिधियों का जमावड़ा होता है इसी कारण इस पर और समाजहितार्थ अन्य बिंदुओं पर चर्चा करना उचित नहीं समझा गया।

हमारी मंशा संस्थान की कार्यशैली को सुधारने की है जिसके लिए हमारी पत्रिका के माध्यम से जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है । लेकिन अध्यक्ष महोदय ने अभी तक किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया देना उचित नहीं समझा, आखिर क्यों ?

जरा सोचिए क्या यह कार्य प्रणाली कहा तक उचित है? हमें समाज उत्थान हेतु सभी वर्गो का साथ में लेकर चलना नहीं चाहिए ?

क्या हमें संस्थान द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायताओं के बारे में सामाजिक सम्मेलनों में जानकारी नहीं दी जानी चाहिए ?

संस्थान को दिए गये सुझावों पर अमल क्यों नहीं किया जाता है, क्या यह सुझाव अनुचित है?

जरा सोचिए..........

माली सैनी समाज में लगने वाले गोत्र (उपनाम)

स्वजातिय बन्धुओं के लिए अलग-अलग राज्यों राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र से गोत्र संकलन करके लिखे गए है जो कि अपने माली (सैनी) समाज से सम्बन्ध व रिश्तों में जुड़े हुए है।

➡ **माली (सैनी) समाज में लगने वाले गोत्र (उपनाम) की संख्या 596 जो ज्ञात है**

➡ माली (सैनी) समाज परिवारों में गोत्र (उपनाम) में इनके नख्चा (खाप) है।

- 66 गोत्र के साथ चौहान लगाते है।
- 11 गोत्र के साथ टांक लगाते है
- 10 नख (खाप) महावर गोत्र में लगते है।
- 7 नख (खाप) भाटी गोत्र में लगते है।
- 5 नख (खाप) जादम गोत्र में लगते है।
- 5 नख (खाप) गेहलोत गोत्र में लगते है।
- 5 नख (खाप) तंवर गोत्र में लगते है।
- 4 नख (खाप) गेहलोत गोत्र में लगते है।3
- 4 नख (खाप) कच्छावा गोत्र में लगते है।
- 3 नख (खाप) सोलंकी गोत्र में लगते है।

यह विवरण गोत्र (उपनाम) की सूची में नख (खाप) प्रकाशित है कृपया सूची देखें।

क्र.सं.	गोत्र (उपनाम)	क्र.सं.	गोत्र (उपनाम)	क्र.सं.	गोत्र (उपनाम)	क्र.सं.	गोत्र (उपनाम)
106	सामरवाल	132	एकधैया	158	भराडिया (चौहान)	184	बारोलिया
107	कमा	133	एकदाया (मावर)	159	भीटोलिया	185	बड़ोदिया
108	गोरवाल	134	अभीथर	160	भाटी (अराइया)	186	बनासी
109	भिटरवाल	135	आधीर	161	भवीवाल	187	बागड़ीयान
110	खरबड़	136	अनिग (अनज)	162	भुजवल	188	बायला
111	खीची	137	अघूंध्या (चौहान)	163	भोई	189	बायलान
112	मटवाया	138	अड़तव्यवहारे	164	भालेकर	190	बोन्या
113	कोलोतिया	139	आदलिये	165	भनोया	191	बाडोलिया
114	राजोरिया (चौहान)	140	आदलिंगे	166	भेलकर	192	बामनवास्या
115	दिया	141	अरडिया	167	बानलेवा (चौहान)	193	बनवाडिया
116	कलाईज	142	अमेरिया	168	बरगेड़ा (चौहान)	194	बादलीवाल
117	बिसनारिया	143	अदोपिया	169	बूभजा (चौहान)	195	बणेरिया
118	बम्बुलशाह	144	अंडेरिया	170	बनकर लोंखडे	196	बिलून्या
119	गुड	145	अचाकाटे	171	बेलसरे	197	बामडोसिया
120	कण्डोलिया (चौहान)	146	अम्बाडकर	172	बिसनोलिया	198	बराडिया
121	ओलिया	147	भुमार (तंवर)	173	बदले	199	बाबलिया
122	अघुपिया	148	भरेल (पंवार)	174	बड़वाल	200	बिलूसिया
123	आलोदिया	149	भरानिया	175	बानगड़	201	बहम्बोसिया
124	अन्तागिया	150	भव्यवाल	176	बीजवाड़िया	202	बेवाल
125	आसरमिया	151	भाटी (नेनवा)	177	बनीवाल (चौहान)	203	बारवाल
126	आवशिवाद (चौहान)	152	भारेवाल	178	बोले	204	बदुनिया
127	ऊसावरा	153	भूलिया	179	बिलोरिया	205	बलसोरिया
128	आसीवाल	154	भभीवाल	180	बीजवाल	206	बीछड़ा
129	अघोपिया	155	भगेगा	181	बिलोरा	207	बाछरिया
130	आसिरवाल	156	भवेवबारवाल	182	बागवाड़	208	बामनजाणिया
131	अक्तावर (चौहान)	157	भाटीया	183	बासीवाल	209	बलादिया

शेष अगले अंक में....

विवाह योग्य समाज के युवक–युवतियों का दूसरा परिचय सम्मलेन 2 अक्टूबर को नई दिल्ली में

नई दिल्ली। अपने बच्चों के बालिग होने पर उनको विवाहिक बंधन में बांधने के लिये कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ता है आप सभी जानते है। इन परेशानियों को देखते हुऐ, इस कार्य में सहयोग करने हेतु ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज (रजि.) की ओर से गतवर्ष 3 अप्रैल 2011 को दिल्ली में नि:शुल्क प्रथम परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान आदि अन्य राज्यों से काफी संख्या में बायोडाटा प्राप्त हुये थे। इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका तथा परिचय सम्मेलन के माध्यम से बड़ी संख्या में बच्चों के विवाह करने में मदद मिली थी और सभी ने समारोह की प्रशंसा की थी।

इसी तरह समाज की निरन्तर मांग को देखते हुए, ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज की कार्यकारिणी ने निर्णय लिया है कि विवाह योग्य समाज के युवक–युवतियों का दूसरा परिचय सम्मेलन पुन: दिल्ली में नि:शुल्क आयोजित किया जायें। अत: निर्णय के अनुसार ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज के तत्वधान में दूसरा परिचय सम्मेलन दिल्ली में नि:शुल्क प्रस्तावित सैनी भवन स्थल, मंगोलपुरी इण्डस्ट्रिस एरिया फेस प्रथम, दिल्ली–83 में टी.वी.एस. कम्पनी के सामने 2 अक्टूबर 2012 को प्रात: 9 बजे से सायं 4 बजे तक आयोजित किया जायेगा जिसमें देश के किसी भी राज्य का समाज का भाई–बहन भाग ले सकते है।

समाज के जो भी बन्धु इस सम्मेलन में सहयोग लेना चाहते या सहयोग देना चाहते है वे कृपया अपने विवाह योग्य (लड़की की आयु 18 वर्ष तथा लडके की आयु 21 वर्ष से कम न हो) बच्चो के बायोडाटा एक फोटो सहित इसके साथ संलग्न निर्धारित फार्म भरकर निम्न पते : जी.एल. सैनी, 30/3 दक्षरोड, विश्वास नगर, दिल्ली–32 या केन्द्रीय कार्यालय के पते पर 31.8.2012 तक अवश्य भिजवादें ताकि परिचय स्मारिका में प्रकाशित हो सकें। यह भी निर्णय लिया गया है जो बंधु नि:शुल्क सामुहिक विवाह कराना चाहते है वे अपनी सहमती लिखित में दे दे ताकि कम से कम पांच जोड़े अवश्य होने पर सामुहिक विवाह की तिथि घोषित की जा सकें। यह भी ध्यान रहे जो सामुहिक विवाह कराना चाहते है वे केवल रजिस्ट्रेशन के रूप में 5100/– रू. देगें।

महात्मा फूले द्वारा बताई गई मानव कल्याण की प्रार्थना सभी समारोहों, कार्यक्रमों, सम्मेलनों अधिवेशनों आदि के पश्चात उपस्थित सभी महानुभाव निम्नांकित प्रार्थना आवश्यक रूप से करने की आदत डालें।

प्रार्थना

प्रभु तुने अंतरिक्ष में अनंत, अनगिनत सूर्यमण्डल
बनाकर इस पृथ्वी पर प्राणी भी बनाये और
तूने मुझे भी इंसान बनाकर मुझमें विवेकशील
बुद्धि दी, उससे मैने तेरी आज्ञा के अनुसार
सत्य का नित् स्मरण कर व्यवहार किया,
यह तू जानता है।
इसीलिए हे प्रभु ।
तू मुझे स्वीकार करेगा।
ऐसो मुझे पक्का विश्वास है और इस तरह
से जो बाकी सब मानव भाई बहिन
सच्चे आचरण से व्यवहार करेंगे उनको भी
नि:संदेह स्वीकार करेगा
तेरी सत्य सत्ता निरंत बढ़ती ही रहे।

पर्यावरण क्षेत्र में जोधपुर के प्रेस फोटोग्राफर जगदीश देवड़ा का सम्मान

जोधपुर शिक्षा अधिकारी प्रेमसिंह सांखला ने जगदीश देवड़ा को पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर आनन्दसिंह सांखला, चेतनसिंह गहलोत, महेन्द्रसिंह परिहार, हीरालाल गहलोत एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शिक्षा से ही होगा, समाज का विकास

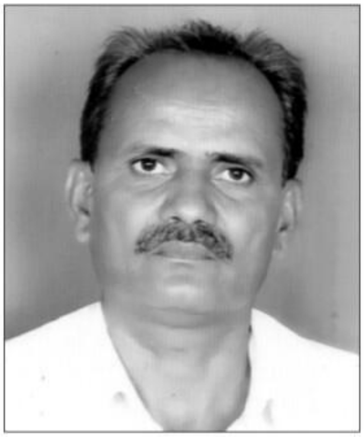

आज चारों तरफ विकास की चर्चा सुनने में आती है। चाहे राजनैतिक पार्टी हो, सरकार हो, समाज सेवी संगठन हो, समाज सेवक हो, ग्राम पंचायत हो, चारों तरफ विकास की केवल चर्चा होती है लेकिन होता कुछ भी नहीं हैं। विकास केवल बातों से नहीं होता। विकास के लिए कुछ करना पड़ता है, त्यागना पड़ता हैं, तब जाकर कुछ हासिल होता है।

मेरा तो मानना है कि अगर समाज या देश का विकास करना चाहते हैं या करना है तो सबसे पहले शिक्षा पर ध्यान देना होगा। शिक्षा का अर्थ हैं "अच्छी तरह से जीवन जीने की तैयारी"। अगर कोई व्यक्ति अच्छी शिक्षा पा लेता है तो वह अपना जीवन अच्छी तरह से गुजारेगा तथा अन्य लोगों का भी सहयोग करेगा। शिक्षा से तीनों क्षेत्रों का विकास अपने आप ही होता है जैसे- सामाजिक क्षेत्र, राजनैतिक क्षेत्र और आर्थिक क्षेत्र।

शिक्षित व्यक्ति समाज में अपनी एक अच्छी पहचान बनाकर सभी लोगों के साथ मेल-मिलाप बनाकर अच्छे मानसम्मान से जीवन गुजारता हैं, लोग उनकी बातों, गुणों, आदतों से बहुत कुछ सिखते है, तथा ग्रहण करते हैं।

शिक्षित व्यक्ति एक अच्छा नेता, वक्ता, सेवक तथा सरकारी तंत्र का हिस्सेदार बनकर मानव समाज की अच्छी तरह से सेवा कर सकता है तथा अपना देश का व समाज का नाम ऊँचा कर सकता हैं। विदेश में भी अपनी प्रतिभा से देश का नाम करता हैं।

शिक्षित व्यक्ति आर्थिक क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति व विकास करता हैं। शिक्षित व्यक्ति सरकारी सेवा करके नौकरी करके, व्यवसाय करके, उद्योग लगाकर देश व समाज को अच्छा लाभ देता है शिक्षित व्यक्ति भले ही खेती क्यों न करें उनके खेती करने का एक तरीका होगा वह अच्छे तरीके से खेती करके यथा अच्छा बीज, खाद, उर्वरक दवाईयां, खेड़ाई, गुड़ाई, शुष्क नमी का ध्यान रखकर अच्छी कृषि पैदावार लेकरदेश व समाज के विकास में सहयोग करता हैं।

आज कई जातियों विकास की दौड़ में दौड़ लगा रही हैं। प्रजातंत्र में खुला मैदान होता है। इस खुले मैदान में वो ही जातियों आगे बढ़ेगी जो शिक्षित होगी। शिक्षा के बिना आगे बढ़ना व विकास की बात करना मूर्खता होगी। बस केवल शिक्षा पर ही ध्यान देना देना है, तीनों क्षेत्रों का विकास अपने आप हो जायेगा।

शिक्षा प्राप्त करने के लिए सुविधाएं व अच्छा वातावरण चाहिए। जैसे अच्छी पाठशाला, अच्छा छात्रावास, अच्छी पुस्तके, अच्छी पौशाकें व अन्य आवश्यक चीजें। घर में भी पढ़ने के लिए एक अलग अच्छा सुसज्जित कमरा होनाचाहिए। जिसमें अच्छी-अच्छी पुस्तकों को साथ कम्प्यूटर का भी ज्ञान होना जरूरी हो गया है जहां तक हो सके घर में भी कम्प्यूटर रखना आवश्यक हैं। हमारी संस्था भी कुछ उद्देश्यों को लेकर काम कर रही हैं। समाज बन्दुओं के सहयोग से उद्देश्यों की प्राप्ति की ओर अग्रसर हैं।

1. शिक्षा का प्रचार-प्रसार करना।
2. बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान देना।
3. समाज से अंधविश्वास मिताना।
4. मृत्युभोज व बाल-विवाह का विरोध।
5. रूढ़ीवादिता को खत्म करना।
6. आधुनिकता का प्रचार-प्रसार करना।
7. छात्रावासों का निर्माण करना।
8. पाठशालाओं को खुलवाना।
9. कुरितियों को खत्म करना।
10. सामाजिक बहिष्कार व उण्ड का विरोध।
11. प्रतिभाओं का सम्मान व सहायकता।
12. स्त्रियों, दलितों व पिछड़ों का सहयोग।
13. स्त्री अत्याचार का विरोध।
14. बाल काम का विरोध।

ज्योतिबा फूले शिक्षा प्रचार संस्थान का गठन 2000-2001 में हुआ था। इसके बाद यह संस्था निरन्तर कार्य कर रही हैं। संस्था ने छात्रावास निर्माण हेतु जमीन के लिए फाईल लगाकर सरकार से नेशनल हाईवे पर जमीन एलाटमेन्ट करवाई। इस जमीन पर वर्तमान में छात्रावास का निर्माण चल रहा है। छात्रावास में 80 कमरें, एक प्याऊ एवं एक ऑफिस प्रस्तावित हैं। इसमें 40 कमरें, प्याऊ व ऑफिस का कार्य पूरा हो गया है तथा जुलाई 2012 से छात्रावास शुरू हो जायेगा। उपरी मंजिल का कार्य भी चल रहा हैं जो अगले सत्र तक पूरा हो जायेगा। इस छात्रावास में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ प्रत्येक कमरे के कम्प्यूटर भी होगा।

मेरा सभी समाज बन्धुओं से विन्रम अनुरोध है कि आप अपने लाडलों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दें। शिक्षा से ही तीनों क्षेत्रों का विकास अपने आप होता है। अपने बच्चे-बच्चियों को पूर्ण शिक्षा दिलावे तथा अच्छा जीवन जीने हेतु तेयार करावें। एक बच्चा शिक्षित होने से एक घर सुधरेगा लेकिन एक बच्ची शिक्षित होने से दो घर सुधरेंगे। शिक्षा से परिवार का, परिवार से गांव का, गांव से राज्य का, राज्य से देश का और देश से मानव समाज का विकास होगा।

जवाराराम परमार

अध्यक्ष महात्मा ज्योतिबा फूले, शिक्षा प्रचार संस्थान, सांचोर

अमृतफल आंवला

बीस और तीस फीट लंबा, छोटी-छोटी पत्तियों और हरे-पीले फूलों वाला आवंले का वृक्ष संपूर्ण भारत में पाया जाता है। आंवले की औषधीय उपयोगिता के कारण इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि इसको सुखाने के बाद भी इसके रासायनिक संघटन में कोई परिवर्तन नहीं आता हैं। आवंले के फल में सबसे ज्यादा विटामिन सी होता है, जो शरीर की प्रतिरक्षा शक्ति बढ़ाता है और शरीर को बाहरी संक्रमण से बचाता है। ऋषि च्वयन ने 70 वर्ष की अवस्था से पुन: यौवसनावस्था आवंले के फल के सेवन से ही प्राप्त की थी। आज भी च्वयनप्राश में मुख्य घटक आंवला ही होता है।

- इसका वानस्पतिक नाम एंबेलिका ऑफिसिनेलिस है, जो कि यूफोर्बिएसी कुल का सदस्य है। आंवले का वृक्ष वायु व वातावरण को स्वच्छ बनाता है। आवंला स्वाद में खट्टा व थोड़ा कसैला होता है। यह शरीर में कफ, वात, पित्त का संतुलन बनाए रखता है। यह हृदय की पेशियों को मजबूती प्रदान करता है, आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बालों व चेहरे पर चमक लाता है तथा शरीर के लिए पुष्टिकारक होता है।

आंखों के लिए

- प्रतिदिन सुबह आंवला खाने से तथा रात को सोते समय पानी के साथ आवंला पाउडर लेने से आंखों की ज्योति बढ़ती है।
- रात को आवंला पाउडर भिगोकर रख दें फिर सुबह कपड़े से छान लें। इस पानी से आंखे धोने से आंखे चमकदार बनती हैं और आंखों की रोशनी भी बढ़ती है।
- आंखों में जलन व सिर में भारीपन होने पर आंवले के गूदे का पेस्ट बना कर सिर पर लगाने से आराम आता है।

पाचन संबंधी रोगों मे

- 2 चम्मच ताजा आंवले का रस 2 चम्मच चीनी के साथ लेने से पेट संबंधी परेशानियां दूर होती हैं।
- सुबह खाली पेट आंवला खाने से पाचन तंत्र सही रहता है।
- खाने से पहले कच्चे आंवले का अचार खाने से भूख में वृ) होती है।
- सूखे आंवले को उबाल कर गुड़ के साथ मिलाकर खाने से एनीमिया, अपच, पित्त दोष व पीलिया में फायदा होता है।

महिला रोगों मे

- आंवले के रस को पके केले के साथ मिलाकर दिन में 3 से 4 बार लेने पर मासिकधर्म में होने वाले ज्यादा रक्तस्त्राव से राहत मिलती है।
- आंवले के 5 ग्राम गूदे को 2 ग्राम शहद में मिला कर चाटने से मासिकधर्म की तकलीफों से छुटकारा मिलता है।
- 20 ग्राम आंवले के गूदे में 1 ग्राम जीरा व जरा सी मिश्री को पीस कर खाना भी समान प्रभाव दिखाता है।

सौंदर्योपचार में

- आंवले के पेस्ट को हल्दी व तेल के साथ मिलाकर शरीर पर लगाने से त्वचा साफ व मुलायम होती है व रंग भी निखरता है।
- आंवलों को पूरी रात भिगो कर उन्हें मसल कर छान लें। इस जूस को शहद के साथ मिलाकर सुबह पीने से चेहरे पर चमक व आकर्षण पैदा होता है।
- आंवले के भीगे बीजों का पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुंहासे खत्म हो जाते हैं और प्राकृतिक सौंदर्य में वृद्धि होती है।
- बालों को सफेद होने से रोकने के लिए आंवले के छोटे टुकड़ों को छाया में सूखा लें और नारियल के तेल में अच्छी तरह उबाल लें। इस तेल से रात को मालिश करें व सुबह शैंपू कर लें।
- सूखे आंवले के चूर्ण को रात में पानी में भिगो दें। सुबह मुंह पर मसलें व थोड़ी देर बाद पानी से धो ले। कुछ ही दिनों में मुंहासे गाब हो जाएंगे।

अन्य रोगों में

- बालों में जुएं होने पर आंवले की गुठली के पेस्ट को नीबू के रस में मिलाकर बालों के जड़ों में लगा लें। आधा घंटे के बाद बाल धो लें। समस्या दूर हो जाएगी।
- ताजा आंवलों का 20 ग्राम रस पीने से पेटे के कीड़े मर जाते हैं।
- आंवले के साथ शहद लेने से डाइबिटीज में आराम मिलता है।
- पाइल्स के उपचार के लिए खाने के बाद ताजा आंवले का रस 1/2 चम्मच घी, 1 चम्मच शहद और 100 ग्राम दूध के साथ लेना चाहिए।
- गन्ने के रस में आंवले का रस अनार का रस व शहद मिलाकर पीने से शीर में रक्त बढ़ता है।
- आंवले के रस में पानी मिलाकर पीने से शरीर व मस्तिष्क की दुर्बलता दूर होती है।
- रात को सोने से पहले आंवले के तेल की मालिश करने से दिमाग मजबूत होता है।
- आंवले का एक टुकड़ा प्रतिदिन भोजन के बाद सेवन करने से पीठ दर्द में आराम मिलता है।
- रक्त संबंधी अशुद्धि दूर करने के लिए ताजे रस का सेवन करना चाहिए।
- तेज सरदी, खांसी में आंवले के रस को शहद के साथ 2 बार लेने से कफ निकल जाता है।
- लंबे बुखार में हरे चनों को आवंला पाउडर के साथ पका कर खाने से आराम मिलता है।
- विटामिन की कमी को पूरा करने के लिए इसे कच्चे नमक के साथ खाएं, 100 ग्राम आंवले के गूदे में 1200 से 1800 मिलीग्राम विटामिन 'सी' होता है।

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचन्द्र सोलंकी पुत्र श्री गोविन्दराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश गेहलोत पुत्र स्व. श्री बलदेवसिंहजी जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्रीबाबूलाल टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्री बंशीलाल मारोठिया पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल गेहलोत पुत्र श्री दयाराम जोधपुर
श्री सोहनलाल देवड़ा पुत्र श्री हापुराम देवड़ा मथानियां
श्री अमृतलाल परिहार पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार (उपाध्यक्ष नगर पालिका) बालोतरा
श्री रमेश कुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत बालोतरा
श्री लक्ष्मीचन्द सुंदेशा पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा बालोतरा
श्री वासुदेव गहलोत पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत बालोतरा
श्री महेश बी. चौहान पुत्र श्री भगवानदास चौहान बालोतरा
श्री हेमाराम माली पुत्र श्री रूपाराम पंवार बालोतरा
श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री हरिराम पंवार बालोतरा
श्री छगनलाल गहलोत पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत बालोतरा
श्री सोनाराम सुंदेशा पुत्र श्री पूनम सुंदेशा बालोतरा
श्री सुजाराम सुंदेशा पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा बालोतरा
श्री नरेन्द्र कुमार पंवार पुत्र श्री अणदाराम पंवार बालोतरा
श्री शंकरलाल (पार्षद) पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार बालोतरा
श्री घेवरचंद पंवार पुत्र श्री भोमजी पंवार बालोतरा
श्री रामकरण माली पुत्र श्री किसनाराम माली बालोतरा
श्री रतन परिहार पुत्र श्री देवजी परिहार बालोतरा
श्री कैलाश काबली (अध्यक्ष माली समाज) पाली
श्री घीसाराम देवड़ा (मंडल महामंत्री भाजपा) भोपालगढ़
श्री शेषाराम श्यामलाल टाक पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल माली (सरपंच महिलावास) सिवाणा
श्री रमेश कुमार सांखला सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाह, लवेरा बावड़ी
संत हजारीलाल गहलोत जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार डीसा
श्री हितेश भाई मोहन भाई पंवार डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी डीसा
श्री मगनलाल गीगा जी पंवार डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा डीसा
श्री नवीनचन्द दलाजी गहलोत डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाह डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा डीसा

श्री सुखदेव वक्ता जी गहलोत डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी डीसा
श्री किशोर कुमा सांखला डीसा
श्री बाबुलाल गीगाजी टाक डीसा
श्री देवचन्द रगाजी कच्छवाह डीसा
श्री सतीश कुमार लक्ष्मीचन्द सांखला डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाह डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाह डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी डीसा
श्री अशोक कुमार पुनमाजी सुंदेशा डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार सोढ़ो की ढाणी
श्री सम्पतसिंह पुत्र श्री बींजारामजी गहलोत जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत जोधपुर
श्री जितेन्द्र पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छवाह जोधपुर
श्री सीताराम सैनी पुत्र श्री सुरजमल सैनी सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी सर्वोदय सोसायटी जोधपुर
श्री जयनारायण गहलोत चौपासनी चारणान मथानियां
श्री अशोक कुमार पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी गेंवा जोधपुर
श्री रामेश्वरलाल (सुशील कुमार) गहलोत जोधपुर
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी चौखा
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कम्पनी भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भगवती खाद बीज भण्डार भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार राजस्थान फार्मेसिया जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेंट सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी सोजतरोड़
श्री राम अकेला पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा देवड़ा मोटर्स जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला सांखला सिमेंट जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र स्व. श्री बींजाराम गहलोत जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी भीनमाल
श्री सांवरराम परमार भीनमाल
श्री भारताराम परमार भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल

श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार भीनमाल
श्री डी.डी.भाटी पुत्र श्री भंवरलाल भाटी जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार सूरसागर जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत गहलोत सूरसागर जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी आदमपुरा
श्री अशोक सांखला पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला जोधपुर
श्री नटवरलाल माली जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत जोधपुर
श्री अमित पंवार जोधपुर
श्री राकेश कुमार सांखला जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार बालोतरा
श्री अरविन्द सोलंकी जोधपुर
श्री सुनिल गहलोत जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार जोधपुर
श्री मनीष गहलोत जोधपुर
श्री योगेश भाटी अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा बिलाड़ा
श्री प्रकाशचन्द सांखला ब्यावर
श्री झुमरलाल गहलोत जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी जोधपुर
श्री महावीरसिंह भाटी जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा जोधपुर
श्री अशोक टाक जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत सालावास जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा मध्यप्रदेश

माली सैनी संदेश

ही क्यों ?

क्योंकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई.
सहित पांच हजार पाठकों
का विशाल संसार

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक
गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी
जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्रांड को पूरे
देश ही नहीं विदेश में भी।

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	6,000/-
Inside Cover	4,000/-
Color Page	2,500/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464, 92140 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

क्योंकि सच्चा सफर कभी समाप्त नहीं होता . . .

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग
मंदिर के सामने, महावीर काम्पलेक्स
के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के जोधपुर दौरे की झलकियां

जोधपुर में महाराजा हनवतसिंह मेमोरियल कॉलेज एवं स्टेडियम का उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित विशाल जनसमूह संबोधित करते हुए श्री अशोक गहलोत

पुलिस दिक्षान्त परेड की सलामी लेते श्री अशोक गहलोत

नादड़ी स्थित गौशाला के उद्घाटन अवसर पर
गौशाला का अवलोकन करते श्री अशोक गहलोत

चेनपुरा में इंडोर स्टेडियम शिलान्यास समारोह को संबोधित करते श्री अशोक गहलोत,
इंडोर स्टेडियम का अवलोकन करते मुख्यमंत्री एवं साथ में है जेडीए चेयरमेन श्री राजेन्द्र सोलंकी

NO. RAJHIN12897/20/1/2004-TC

माली सैनी सन्देश

सच्चा सफर समाप्त नहीं होता ....

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता के 8वे वर्ष में प्रवेश करने पर पत्रिका परिवार के संपादक मण्डल एवं पाठकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु :

मोतीलाल सांखला
राष्ट्रीय अध्यक्ष
महा. फूले राष्ट्रीय जागृति मंच

राजेन्द्र गहलोत
पूर्व मंत्री
राजस्थान सरकार

नारायण सिंह कुशवाहा
राज्यमंत्री, जेल, परिवहन एवं गृह
मध्यप्रदेश सरकार, भोपाल

चौ. इंद्रराज सिंह सैनी
राष्ट्रीय अध्यक्ष, ऑल इंडिया
सैनी समाज, नई दिल्ली

सोनू गहलोत
निगम अध्यक्ष
नगर निगम, उज्जैन

रमेशचंद्र कच्छवाहा
अध्यक्ष ठेकेदार संघ
नगर निगम, जोधपुर

डॉ. देविन परिहार
उद्योगपति डीसा

उम्मेद परिहार
अध्यक्ष माली समाज मुम्बई

मोहनभाई रामी
उद्योगपति अहमदाबाद

कालू भाई सांखला
उद्योगपति अहमदाबाद

भंवरलाल सोलंकी
सचिव भीरू ग्रुप, भीनमाल

बाबूलाल सांखला
उद्योगपति, मैसूर

गंगाराम गहलोत
उद्योगपति अहमदाबाद

सीताराम रावतमल सैनी
उद्योगपति सरदार शहर

नाथू सोलंकी
प्रदेश सचिव महा. फूले. जागृति मंच

पुरूषोत्तम सोलंकी
समाजसेवी, बाड़मेर

पवन सिंगोदिया
प्रदेश सचिव म. फूले. जा. मंच

दिनेश माली
समाजसेवी, उदयपुर

शांतिलाल सुन्देशा
व्यवसायी चैन्नई

चौथाराम सुन्देशा
व्यवसायी बैंगलोर

बाबूलाल गहलोत
भवानी उद्योग, जोधपुर

नरेश देवड़ा
देवड़ा मोटर्स, जोधपुर

सत्यनाराण कच्छवाहा
सम्पादक माली मंथन

दिमित पड़िहार
द्वारका, गुजरात

रामनारायण चौहान
सम्पादक महात्मा फूले दर्शन

प्रदीप परिहार
परिहार सेल्स, जोधपुर

लहरचंद सैनी
व्यवसायी हैदराबाद

महेश फकीरचन्द सैनी
उद्योगपति मंदसौर

गजानंद रामी
सम्पादक वनमाली

अल्का सैनी
लेखिका, पंजाब

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं सम्पादक मनीष गहलोत के लिए मुद्रक मोहम्मद मुस्लिम द्वारा हिन्दुस्तान प्रिण्टिंग हाउस इन साईड ईदगाह कम्पाउण्ड जालोरी गेट, जोधपुर से मुद्रित एवं माली सैनी संदेश कार्यालय, 31, गणपति मार्केट नई सड़क, जोधपुर से प्रकाशित।

फोन : 09414475464 ई-मेल : malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR

log on : www.malisainisandesh.com; www.malisaini.org